वर्षः 7- अंकः 186, मुंबई, मंगलवार, 19 सितंबर, 2017 , मूल्यः1 रु. ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादकः दिलशाद एस.खान

दैनिक मुंबई हलचल

भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त

अब हर सच होगा उजागर

नवरात्री में प्रसाद के लिए
मलाई पेड़ा ₹ ~~600~~/- 520/-
काजू कतरी ₹ ~~900~~/- 780/-
खोपरापाक ₹ ~~540~~/- 440/-
बूंदी (शुध्द घी) ₹ ~~360~~/- 260/-
21.09 to 29.09.2017
शुध्द घी की जलेबी ₹480/-
MM MITHAIWALA
Malad (W) Tel. : 288 99 501
www.mmmithaiwala.com

एक क्लिक पर मिलेगी डेंगू व मलेरिया संबंधी जानकारी

(समाचार पृष्ठ 3 पर)

कास्टिंग काउच के बारे में कृति सैनन का ये है कहना...

(समाचार पृष्ठ 12 पर)

नरेंद्र की राह पर देवेंद्र

जल्द करेंगे कैबिनेट का विस्तार

औरंगाबाद। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा है कि जल्द ही राज्य मंत्रिमंडल का विस्तार होगा। रविवार को मराठवाड़ा मुक्ति संग्राम दिवस पर यहां आयोजित कार्यक्रम के बाद पत्रकारों से बातचीत करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि इस विस्तार में कुछ मंत्रियों के विभाग बदले जाएंगे और कुछ नए चेहरों को मंत्रिमंडल में शामिल किया जाएगा। **(शेष पृष्ठ 5 पर)**

राणे पर सवाल टाल गए सीएम

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता नारायण राणे के भाजपा में शामिल होने से जुड़े सवाल को मुख्यमंत्री ने हंसकर टाल दिया।

शिवसेना करेगी आंदोलन

पेट्रोल और डीजल की कीमतों में लगातार बढ़ोतरी के खिलाफ अब शिवसेना सड़क पर उतरेगी। यह जानकारी पार्टी सांसद विनायक राऊत ने दी। शिवसेना की महिला आघाड़ी की तरफ से पेट्रोल और डीजल दर वृद्धि के खिलाफ नवरात्र के दौरान राज्य में आंदोलन किया जाएगा। रविवार को इस आंदोलन की रणनीति तय करने के लिए शिवसेना के नेताओं की बैठक हुई। बताया कि पेट्रोल और डीजल की कीमतों में बढ़ोतरी को रोकने के लिए केंद्र और राज्य सरकार कोई ठोस कदम नहीं उठा रही है। आम लोगों को महंगाई के कारण परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इसलिए पार्टी ने इसके खिलाफ आंदोलन करने का निर्णय लिया है।

तीन तलाक के बाद अब रोहिंग्या पर फंसी कांग्रेस

केंद्र सरकार पर दागे सवाल

नई दिल्ली। कांग्रेस पार्टी चुनावी हारों में हिन्दू-मुस्लिम ध्रुवीकरण को बड़ी वजह मानती है और इससे जुड़े मुद्दों पर चाहे-अनचाहे उलझन में पड़ जाती है। तीन तलाक का मुद्दा ठंडा हुआ था कि, अब रोहिंग्या मुसलमानों का मसला सामने आया है, इसको लेकर कांग्रेस खुलकर अपनी राय नहीं दे पा रही। कोई चारा नहीं मिल रहा तो वो सरकार पर दोहरी राय रखकर राजनीति करने का आरोप लगा रही है। आखिर, रोहिंग्या मुसलमानों के मसले पर सरकार ने कड़ा हलफनामा दाखिल करते हुए साफ कर दिया कि, वह इनको देश की सुरक्षा के लिए खतरा मानती है और उनको देश से बाहर करना ही होगा। उधर, इस मुद्दे पर कांग्रेस अपनी सीधी राय नहीं बना पा रही।

(शेष पृष्ठ 5 पर)

अंधेरी पश्चिम के स्टार बाजार मॉल का टेरिस बना नशेड़ियों का अड्डा!

हुक्का पार्लर पर पुलिस का एक्शन कब?

Kube

मुंबई। मुंबई महानगर में चल रहे हुक्का पार्लरों के लिए कुछ नियम कानून भी बनाएं गये हैं, लेकिन यहां के हर हुक्का पार्लर में इसका खुलेआम उल्लघंन हो रहा है। हुक्का पार्लर के लिए सबसे जरूरी गाइड लाईन में यह निर्देशित है कि यहां उठने वाले धुंए को बाहर निकालने के लिए हेवी एक्जस्ट फैन लगे हों, यहां हाई कूलिंग की व्यवस्था हो और यहां किसी प्रकार न तो खाने की और न ही पीने की व्यवस्था हो लेकिन यहां हो रहा है ठीक इसका उल्टा। इसका प्रत्यक्ष उदाहरण अंधेरी पश्चिम में स्टार बाजार मॉल के टेरिस पर संचालित Kube लांज एंड क्लब नामक हुक्का पार्लर है। यहां न तो हाई कूलिंग की व्यवस्था है और न ही एक्जस्ट फैन लगे हैं खाने और पीने का आलम यह है कि यहां हर तरह के खाने और पीने के लिए शराब की पूरी व्यवस्था है।

(शेष पृष्ठ 5 पर)

स्टार बाजार मॉल की टेरिस पर बना अवैध क्यूब लांज एंड क्लब हुक्का पार्लर

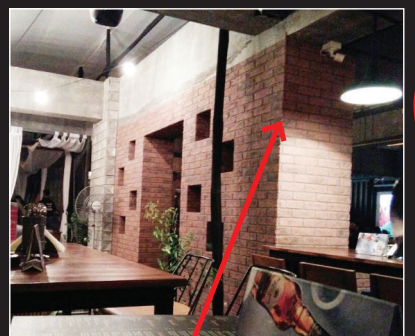

टेरिस पर बने अवैध हुक्का पार्लर की वजनदार दीवार

कानून से खिलवाड़ कबतक?

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

सरकार में रहेंगे या नहीं फैसला जल्द: शिवसेना

मुंबई। मोदी सरकार के खिलाफ अक्सर तीखे तेवर दिखाने वाली शिवसेना की तरफ से एक ऐसा बयान सामने आया है, जो एनडीए से उसकी राहें जुदा होने के संकेत दे रहा है। शिवसेना के नेता संजय राउत ने केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए कहा है, 'बेतहाशा बढ़ती महंगाई और किसानों के मुद्दे अब तक सुलझे नहीं हैं। हम इसके लिए जिम्मेदार नहीं हैं और यह दाग नहीं झेलना चाहते।'

राज्यसभा सांसद संजय राउत ने इस दौरान एनडीए सरकार के साथ भावी रिश्तों के बारे में बयान देते हुए कहा, 'केंद्र सरकार में हम बने रहेंगे या सरकार से नाता तोड़ेंगे, इसका फैसला जल्द ही पार्टी बैठक के बाद लिया जाएगा।'

केंद्र और महाराष्ट्र में सरकार का हिस्सा होने के बावजूद शिवसेना और बीजेपी के बीच लंबे समय से रस्साकशी चल रही है। हाल ही में मोदी मंत्रिपरिषद के विस्तार को शिवसेना ने भाजपा का विस्तार बताया था। गौरतलब है कि मंत्रिपरिषद विस्तार में सहयोगी दलों के किसी सदस्य को मंत्री नहीं बनाया गया था। 18 लोकसभा सांसदों वाली शिवसेना की विस्तार में अनदेखी की गई।

शिवसेना ने कई बार बीजेपी पर उसका अपमान करने का आरोप लगाया है। उद्धव ठाकरे से इस बात की भी शिकायत की जा चुकी है कि उन्हें अक्सर यह सुनने को मिलता है कि पीएम मोदी की वजह से ही उनके लोकसभा में 18 सांसद चुनकर आए, वरना उनकी 10 सीटें भी जीतने की औकात नहीं थी।

इसके साथ ही मराठा आरक्षण के मुद्दे पर भी शिवसेना ने देवेंद्र फडणवीस सरकार को निशाने पर लिया है। बीएमसी में भी इस बार शिवसेना और बीजेपी ने अलग-अलग चुनाव लड़ा था। अक्सर पार्टी के मुखपत्र सामना के जरिए केंद्र की मोदी सरकार पर तीखी टिप्पणी की जाती रही है।

8 साल के बच्चे को कुत्तों ने मार डाला

भिवंडी। भिवंडी में रविवार को एक बच्चे कचरे के ढेर पर गिर गया। उसके नीचे आए कुत्ते को बचाने के लिए बाकी कुत्तों ने बच्चे को काट-काटकर मार डाला। धीरज यादव नाम का बच्चा अपने दोस्त सलमान अंसारी के साथ एक पाइपलाइन पर चल रहा था। तभी उसका पैर फिसला और वह नीचे कूड़े के ढेर पर गिर गया। उसके नीचे एक कुत्ता आ गया और दर्द से कराहने लगा। यह देखकर बाकी कुत्ते उसकी मदद करने को धीरज पर हमला कर बैठे। इससे पहले कि धीरज संभल पाता एक कुत्ते ने उसे गर्दन से पकड़ लिया। आवाजें आने पर पास से गुजर रहे एक स्थानीय ने कुत्तों को भगाया और मदद के लिए आवाज लगाई। भिवंडी सिटी के सब-इंस्पेक्टर भुट्टू पवार ने बताया कि स्थानीय लोगों की मदद से उनकी टीम धीरज को इंदिरा गांधी मेमेरियल अस्पताल लेकर गई। हालत गंभीर होने के चलते उसे ठाणे सिविल अस्पताल ले जाया गया जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया।

साइबर क्राइम पीड़िता का अकाउंट तक बंद नहीं करा पा रही पुलिस

मुंबई। दिनोंदिन बढ़ते साइबर क्राइम के बीच पुलिस पीड़िता का अकाउंट डीऐक्टिवेट कराने में भी सफल नहीं हुई है। पीड़िता को अभी भी उनका इंस्टाग्राम अकाउंट हैक करने वाले शख्स से धमकियां मिल रही हैं।

ओशिवारा की रहने वाली ऋतु का इंस्टाग्राम अकाउंट हैक कर उनके कॉन्टैक्ट डीटेल्स, जिसमें उनका फोन नंबर और पता तक शामिल है, उसे उनकी इंस्टाग्राम प्रोफाइल पर पब्लिक कर दिया गया। साइबर अपराध डिपार्टमेंट के एक अधिकारी ने कहा कि उन्होंने इंस्टाग्राम को इसकी सूचना दे दी है

और अब वह उनके जवाब का इंतजार कर रहे हैं। उन्होंने हैकर के पते के बारे में भी जानकारी मांगी है। पीड़िता ने बताया कि उन्हें एख ई-मेल आया था जिसमें उनके अकाउंट वेरिफिकेशन के लिए उनका नाम, पता जैसी बातें पूछी गई थीं। उन्होंने बिना सच्चाई पता किए सारी जानकारियां भेज दीं। उसके अगले दिन से वह अपना अकाउंट नहीं चला पा रहीं। उसके बाद हैकर ने उनके कॉन्टैक्ट डीटेल्स ही पब्लिक कर दिए। उसके बाद से उन्हें धमकियां भी मिल रही हैं।

इस बारे में हमारे सहयोगी अखबार मुंबई मिरर ने जब डीसीपी साइबर क्राइम से बात की तो उन्होंने इसे गंभीर अपराध बताते हुए खुद इसकी जांच करने की बात कही।

मुंबई की बारिश में जान गंवाने वाले डॉक्टर की मौत के आरोपी 4 गिरफ्तार

मुंबई। मुंबई की रफ्तार रोक देने वाली बारिश में जान गंवाने वाले डॉ अमरापुरकर की मौत के मामले में दादर पुलिस ने 4 लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक इन लोगों ने वह मैनहोल खोला था जिसमें गिरकर डॉ अमरापुरकर की जान गई थी। आरोपियों की पहचान दिनार पवार, नीलेश कदम, राकेश कदम और सिद्धेश बेसलेकर के रूप में की गई है। उनके ऊपर आईपीसी

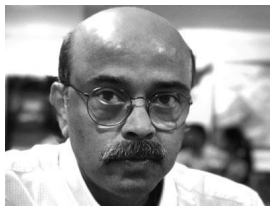

की धारा 304अ के तहत मकदमा दर्ज किया गया है। नीलेश, राकेश और सिद्धेश झुग्गी में रहते हैं जबकि पवार पास ही एक इमारत में। पुलिस ने कहा कि घटना के कई चश्मदीद हैं जिनमें एक पुलिस कॉन्स्टेबल शामिल है। कॉन्स्टेबल ने बताया कि जब चारों आरोपी मैनहोल खोल रहे थे तब उसने उनसे सवाल भी किया था। तब उन्होंने कहा थि कि वह बीएमसी कार्यकर्ता हैं। दादर पुलिस ने यह नहीं बताया कि कॉन्स्टेबल ने डॉ अमरापुरकर की मौत के बाद चारों आरोपियों द्वारा मैनहोल खोले जाने के बारे में सूचित किया था या नहीं।

स्वच्छता ही सेवा अभियान के तहत मध्य रेलवे के महाप्रबंधक ने किया सफाई का निरीक्षण

मुंबई। मध्य रेल पर दिनांक 15.09.2017 से 2.10.2017 तक स्वच्छता ही सेवा नामक सफाई अभियान चलाया जा रहा है। दिनांक 17.9.2017 को इसी अभियान के रूप में सेवा दिवस मनाया गया जिसमें रेलवे अधिकारियो तथा कर्मचारियों द्वारा श्रमदान दिया गया। इस अभियान के द्वारा मध्य रेल के सभी कारखानों, पॉच मंडलों के कारखानों पर सुबह 10.00 बजे 12.00 बजे तक, सभी स्टेशनों, रेल परिसरों तथा रेलवे कॉलोनियों में स्वच्छता के लिए जागरूकता अभियान चलाया गया।

मध्य रेल के महाप्रबंधक डी.के. शर्मा ने छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस मुंबई के प्लेटफार्मों तथा लेनिन कक्ष का निरीक्षण किया तथा कर्मचारियों को रेल परिसरों में साफ-सफाई रखने तथा यात्रियों को स्वच्छ लेनिन उपलब्ध कराने के निर्देश दिये। इस अवसर पर अपर महाप्रबंधक श्री विशाल अग्रवाल, मंडल रेल प्रबंधक रविंद्र गोयल तथा अन्य अधिकारीगण मौजूद थे।

टपोरी बेटे को मारने मां ने दी 50 हजार की सुपारी

मुंबई। लालच और नशाखोरी में अपराध इस कदर बढ़ गया है कि रिश्तों के कोई मायने ही नहीं रह गए हैं। आए दिन मां- बेटे, बेटे- मां, पति-पत्नी, पत्नी - पति और भाई -भाई द्वारा एक दूसरे को मारने और मरवाने की घटनाएं सामने आ रही हैं। ऐसी ही एक घटना में कुकर्म से तंग आकर एक मां ने अपने ही सगे बेटे की सुपारी देकर हत्या करा दी। युवक का वालीव पुलिस ने 21 अगस्त को क्षेत्र के जानकीपाडा स्थित खदान से शव बरामद किया था। घटना के 25 दिन बाद वालीव पुलिस ने हत्या की गुत्थी सुलझाते हुए शुक्रवार को आरोपी मां-भाई सहित चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। गौरतलब है कि 2 दिन पूर्व विरार पुलिस स्टेशन क्षेत्र में एक शख्स ने ढाई लाख रुपये की सुपारी देकर अपनी ही पत्नी की हत्या करा दी थी। जिसमे विरार पुलिस ने मृतका के पति सहित 7 लोगों को गिरफ्तार किया था। जानकारी के अनुसार 21 अगस्त दोपहर वालीव पुलिस ने जानकीपाडा स्थित खदान से एक अज्ञात युवक का शव बरामद किया था। मृतक का गला रेतकर हत्या की गई थी। पुलिस धारा 302,201 के तहत मामला दर्ज कर जांच कर रही थी। पुलिस ने मृतक युवक की पहचान करने के लिए पालघर जिला सहित ठाणे ग्रामीण व मीरा भाईन्दर क्षेत्र में पोस्टर लगाए थे। 25 दिन बीत जाने के बाद पुलिस को पता चला कि मृतक युवक भाईन्दर पश्चिम के गणेश देवलनगर का रहने वाला रामचरण रामदास द्विवेदी (21) है। वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक संजय हजारे के मार्ग दर्शन में पुलिस निरीक्षक डी व्ही बांदेकर, पुलिस उप निरीक्षक विनायक माने, सचिन चव्हाण की टीम ने मृतक की मां से पूछताछ की तो घटना सामने आई।

मालिक,मुद्रक,प्रकाशक-**दिलशाद एस खान** द्वारा एस आर प्रिंटिंग प्रेस,मोहन अर्जुन कंपाउंड, वैशाली नगर दहिसर (पूर्व),मुंबई-68 से मुद्रित व मुंबई हलचल,साईं मंगल को ऑ हॉ सो बी-2-301,इस्माइल बाग नियर मालाड शॉपिंग सेंटर, एस वी रोड,मालाड (प) मुंबई से प्रकाशित RNI NO MAHHIN/2010/34146, फोन:**9619102478 /9769659975** कार्यकारी संपादक - सी हरीश
email: mumbaihalchal@gmail com संपादक: **दिलशाद एस खान,** समाचार पत्र में छपे किसी भी समाचार से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। किसी भी विवाद का निपटारा न्याय क्षेत्र मुंबई होगा।

दैनिक
मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

एक क्लिक पर मिलेगी डेंगू व मलेरिया संबंधी जानकारी

मनपा ने तैयार किया एप्लिकेशन

मुंबई। शहर में डेंगू, मलेरिया, लेप्टो, स्वाइनफ्लू जैसी बीमारियों का प्रमाण बढ़ता ही जा रहा है। इन बीमारियों से निपटने की जानकारी अब मुंबईकरों को एक ही क्लिक पर उपलब्ध होगी। मनपा द्वारा इस संदर्भ में एक एप्लिकेशन तैयार किया गया है। जिसे मनपा अस्पतालों, दवाखानों व उपचार केंद्रों से जोड़ा गया है। जिसकी मदद से मुंबईकरों को घर बैठे वे किस बिमारी से ग्रसित है इसकी जानकरी उपलब्ध होगी। मंगलवार को मनपा के प्रमुख अस्पतालों के संचालक डॉ. अविनाश सुपे द्वारा इस ऍप का उद्घाटन किये जाने की जानकारी प्रा. डॉ. सीमा बनसोडे गोखे ने दी है।

गौरतलब है कि मुंबईकर डेंगू, मलेरिया, एच1एन1 (स्वाईन फ्लू), लेपटोपायरोसिस, चिकनगुनिया जैसी बीमारियों की चपेट में बड़ी संख्या में आते है। इन बीमारियों से सम्बंधित जानकारी इंटरनेट पर उपलब्ध है किन्तु यह जानकारी वैज्ञानिक तौर सत्य ही होंगे ऐसा नहीं है। मुंबईकरों को सही जानकारी उपलब्ध करने के लिए मनपा द्वारा एक एप्लिकेशन तैयार किया गया है। इस एप में मनपा के वरिष्ठ डॉक्टरों व सम्बंधित विशेषज्ञों द्वारा बिमारी के सन्दर्भ में वैज्ञानिक तौर पर जानकारी मुहैया की गयी है। जिसका लाभ मुंबईकरों को मिलेगा। इस ऍप में बिमारी की पूरी जानकारी, बिमारी का प्रसार, कारण, बिमारी के लक्षण, रोकथाम के उपाय आदि की जानकारी मिलेगी। इसी के साथ बीमार होने पर मेडिकल इलाज के लिए मनपा के दवाखाने व अस्पताल का विभाग स्तर पर संपर्क क्रमांक व पता इस ऍप द्वारा दिया गया है। इस ऍप को मानसून रिलेटेड डिसिस नाम दिया गया है। यह एंड्राइड ऍप गूगल प्ले स्टोर पर मुफ्त उपलब्ध किया गया है। वहीं मनपा अतिरिक्त आयुक्त आय. ए. कुंदन, उपायुक्त सुनिल धामणे के मार्गदर्शन के अनुसार मनपा के सायन अस्पताल के सामुदायिक दवा विभाग व कांदिवली परिसर के ठाकुर इंस्टिट्यूट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज व मनपा के सार्वजनिक स्वास्थ्य विभाग व किटकनाशक विभाग की मदद से यह ऍप तैयार किये जाने की जानकारी प्रा. डॉ. सीमा बनसोडे गोखे ने दी है।

आदित्य और अमित की मुलाकात में राजनीति पर नहीं हुई चर्चा : शिवसेना

मुंबई। शिवसेना पक्ष प्रमुख उद्धव ठाकरे के बेटे आदित्य ठाकरे और मनसे अध्यक्ष राज ठाकरे के बेटे अमित ठाकरे की मुलाकात पर शिवसेना ने स्पष्टीकरण दिया है। फुटबॉल प्रेम के बहाने ठाकरे परिवार के दोनों बेटे आदित्य और अमित एक साथ आए थे। रविवार को शिवसेना की तरफ से जारी बयान में कहा गया कि आदित्य और अमित के बीच राजनीतिक चर्चा नहीं हुई हैं। दोनों की मुलाकात पर कोई विश्लेषण करने की जरूरत नहीं है। आदित्य और अमित की शनिवार देर रात को लोअर परेल के एक होटल में मुलाकात हुई थी। दोनों के बीच लगभग आधे घंटे बातचीत हुई।

जानकारी के मुताबिक, दोनों ने एक साथ भोजन किया। इससे राजनीति हलकों में इसके मायने निकाले जाने लगे थे। इस पर पार्टी ने स्पष्ट करते हुए बताया कि आदित्य मुंबई जिला फुटबॉल संघ के अध्यक्ष हैं। आदित्य से एक फुटबॉल मैच आयोजक मुलाकात कर रहे थे। तभी आदित्य ने खिलाड़ी लुईस फिगो से मुलाकात की। वहीं पर अमित भी मौजूद थे। उसी दौरान आदित्य और अमित की मुलाकात हुई। दोनों की मुलाकात को फुटबॉल खेल से जोड़कर ही देखा जाना चाहिए। दूसरी ओर राजनीति में अलग-अलग राह पर खड़े शिवसेना पक्ष प्रमुख उद्धव और मनसे अध्यक्ष राज के फिर से एक साथ आने को लेकर कयास लगाए जाते हैं लेकिन उद्धव और राज एक कब होंगे। इस पर कुछ कहां नहीं जा सकता है लेकिन दोनों नेताओं के बेटों ने एक साथ आकर सकारात्मक संकेत दिए हैं।

बेडरुम में मिली पिता और बेटी की लाश

मुंबई। शहर से सटे नालासोपारा इलाके में एक ही परिवार के चार लोगों ने जहर पीकर सुसाइड करने प्रयास किया। इसमें बाप और बेटी की मौत हुई है वहीं मां और दूसरी बेटी जिंदा बची है। उनका हॉस्पिटल में इलाज चल रहा है। जानकारी के मुताबिक नालासोपारा के प्रगतिनगर में 30 वर्षीय मनीष सिंह अपनी पत्नी और दो बेटियों के साथ रहता था। मनीष इसी इलाके में एक दुकान चलाता था, उस पर बैंक से लोन भी लिया था। रविवार रात मनीष के साथ परिवार उसकी पत्नी और बेटियों ने भी जहर पी लिया। इसके बाद सभी लोग सो गए। जब सुबह परिजन घर पहुंचे तो दरवाजा खोला नहीं गया, बाद में दरवाजा दूसरी चाबी से दरवाजा खोला गया। परिजनों ने भीतर देखा तो बेडरुम में चारों पड़े हुए थे, उसमें से मनीष और उसकी सात साल के बेटी प्रगति की मौत हो चुकी थी। मनीष की पत्नी पिंकी और तीन साल की बेटी प्रतीक्षा बेहोश हालत में मिली। दोनों को तुरंत वसई विरार महानगरपालिका के हॉस्पिटल में आईसीयू में भर्ती कराया गया। मनीष ने कर्ज से तंग आकर सुसाइड करने का शक जताया जा रहा है।

पत्रकारों का सम्मान एवं उनकी रक्षा के लिए कानून बनाने का कार्य करे राज्य सरकार : रशीद रसिक

अंधेरी में 'पत्रकार बचाओ-दीया जलाओ', हत्या विरोध प्रदर्शन नामक कार्यक्रम का आयोजन संपन्न

मुंबई। वरिष्ठ पत्रकार गौरी लंकेश की हत्या का विरोध करने के लिए अंधेरी (इ) स्थित आगरकर चौक पर श्री एकता पत्रकार संरक्षर दस्ता के अध्यक्ष रशीद रसिक के नेतृत्व में अनेको पत्रकार, स्थानीय एक्टिविटीस्टो एवं वकीलों के साथ साथ समाजसेवियों की उपस्थिति में पत्रकार पर हो रहे हमले के विरोध में 'पत्रकार बचाओ-दीया जलाओ' नामक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमे शामिल लोगो ने पत्रकारों पर हो रहे हमलो की कटु शब्दों में निंदा की इस मौके पर कई पत्रकारों ने अपने विचार व्यक्त किये, कार्यक्रम आयोजक पत्रकार रशीद रसिक ने कहा की पत्रकार समाज का दर्पण होता है, जो लोगो को हर अच्छी और बुरी घटनाओ से अवगत कराते हुए समाज के रचनात्मक कार्य में सहयोग करता है। पत्रकारों पर इन दिनों जानलेवा हमले बढ़ गए है, जो बंद होना चाहिए उपस्थित सभी लोगो ने खुले दिल से प्रशंसा करते हुए कहा की आज समाज में रशीद रसिक जैसे पत्रकारों की जरुरत है, पत्रकारों की

अस्मिता एवं उनकी रक्षा के लिए कानून बनाने तथा वरिष्ठ पत्रकार गौरी लंकेश की हत्या का विरोध कर उनके हत्यारो को जल्द से जल्द पकड़ने की मांग करते हुए पत्रकार बचाओ दिया जलाओ कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। पत्रकार की रक्षा के पक्ष में किये गए इस हत्या विरोध प्रदर्शन में अनेको पत्रकार उपस्थित हुए थे, जिनमे मेहराज खान, संजय दुबे, भालचंद नेमाने, अरशद खान, शितलो प्रसाद सरोज, रिजवान सिद्दीकी, श्री किशोर यादव, अष्टानंद एस. पांडेय, श्री असगर भाई, श्री जगदीप अरोड़ा, श्री सय्यद हैदर, श्री शुवेब भाई, अलताफ भाई, भावेश भाई, आदि के अलावा अनेको लोग उपस्थित थे। बता दे की अंधेरी से पिछले २४ सालो से श्री मानव एकता टाइम्स को प्रकाशित करने वाले पत्रकार रशीद रसिक अपने नेतृत्व में पत्रकारों पर हुए हमलो के विरोध में आंदोलन-विरोध प्रदर्शन किये जा चुके है, इसके आलावा रशीद रसिक द्वारा लीखित हिंदी नुक्कड़ नाटक-कलम की आवाज का भी इसके पूर्व मुंबई में कई बार मंचन कर चुके है, फुटपाथ पर कलम की आवाज नाटक का मंचन करके, पत्रकारों की सामाजिक भूमिका को दर्शा कर उनकी रक्षा की मांग करने वाले श्री मानव एकता टाइम्स के संपादक रशीद रसिक एक नाटककार व समाजसेवी के रूप में उभर कर सामने आने की कोशिश कर रहे है। पत्रकार की रक्षा के पक्ष में किये गए इस हत्या विरोध प्रदर्शन में अनेको पत्रकार उपस्थित हुए थे, जिनमे मेहराज खान, संजय दुबे, भालचंद नेमाने, अरशद खान, शितलो प्रसाद सरोज, रिजवान सिद्दीकी, श्री किशोर यादव, अष्टानंद एस. पांडेय, श्री असगर भाई, श्री जगदीप अरोड़ा, श्री सय्यद हैदर, श्री शुवेब भाई, अलताफ भाई, भावेश भाई, आदि के अलावा अनेको लोग उपस्थित थे।

आवश्यक सूचना

पाठकों को सूचित किया जाता है कि **'दैनिक मुंबई हलचल'** के नाम पर अगर कोई भी व्यक्ति आपसे किसी भी तरह का 'व्यवहार' करता है तो इसकी पुष्टि के लिए इस नंबर पर संपर्क कर लें।
(9619102478)

आवश्यक है

'दैनिक मुंबई हलचल' अखबार के लिए दक्षिण मध्य मुंबई, बांद्रा, कुर्ला, गोवंडी, अंधेरी, मालाड, दहिसर, ठाणे, मीरा रोड इत्यादि अनेक क्षेत्रों से अंशकालीन संवाददाताओं की आवश्यकता है तुरतं संपर्क करें कॉल करें समय (3 से 6 बजे)
(9619102478)

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

हमारी बात

देर से हासिल उपलब्धि

किसी परियोजना का लोकार्पण उसके शिलान्यास के 56 साल बाद होना यह बताता है कि अपने देश में विकास के मामले में किस तरह अड़ंगेबाजी होती है। यह स्वाभाविक ही है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश के सबसे बड़े बांध सरदार सरोवर को समर्पित करते हुए इसका उल्लेख किया कि इस परियोजना को सबसे ज्यादा विरोध का सामना करना पड़ा। एक समय तो खुद उन्हें मुख्यमंत्री पद पर रहते हुए भी बांध की ऊंचाई बढ़ाने की मांग को लेकर धरने पर बैठना पड़ा था। विकास संबंधी परियोजनाएं किस तरह विरोध का सामना करती हैं, इसका पता इससे भी चलता है कि प्रधानमंत्री जिस समय गुजरात में सरदार सरोवर बांध का लोकार्पण कर रहे थे उस समय मध्य प्रदेश में इस परियोजना से प्रभावित हुए कुछ लोग इस शिकायत के साथ धरने पर बैठे थे कि उन्हें उचित मुआवजा नहीं मिला। कहना कठिन है कि इस परियोजना के डूब क्षेत्र में आने वाले लोगों की शिकायत कितनी सही है, लेकिन इसकी अनदेखी नहीं की जा सकती कि अक्सर बड़ी परियोजनाओं के कारण विस्थापित लोगों का उचित तरीके से पुनर्वास नहीं हो पाता। कई बार वे उचित मुआवजा न मिलने की भी शिकायत करते हैं। सरकारों को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि ऐसी शिकायतों की नौबत न आए और किसी भी परियोजना के चलते विस्थापित होने वाले लोगों की अनदेखी न हो। केंद्र और राज्य सरकारों के लिए यह काम इसलिए पहली प्राथमिकता बनना चाहिए, क्योंकि आज स्थिति यह है कि किसी भी इलाके में बड़ी परियोजना की घोषणा होते ही प्रभावित होने वाले लोग संशकित हो जाते हैं। इसी के साथ पर्यावरण हानि के सवाल उठाने वाले भी सक्रिय हो जाते हैं। उन कथित पर्यावरण हितैषियों से सावधान रहने की जरूरत है जो हर बड़ी परियोजना का विरोध करने के लिए तत्पर रहते हैं। उन्होंने जल, जंगल जमीन बचाने के नाम पर धरना देने को एक तरह से अपना धंधा बना लिया है। पर्यावरण बचाने के नाम पर चल रहे धंधे में कुछ बड़े गैर सरकारी संगठन भी शामिल हैं। शायद यह ऐसे संगठनों की सक्रियता का ही दुष्परिणाम रहा कि एक समय जो विश्व बैंक सरदार सरोवर परियोजना को आर्थिक सहायता देने के लिए तैयार था उसने अपने हाथ पीछे खींच लिए। निःसंदेह ग्लोबल वार्मिंग के इस दौर में पर्यावरण रक्षा के प्रति कहीं अधिक सतर्कता बरतने की जरूरत है, लेकिन यह भी ध्यान रखा जाना चाहिए कि जल जंगल जमीन यथावत रखकर विकास नहीं किया जा सकता। विकास हवा में नहीं हो सकता। बड़ी परियोजनाओं के लिए जमीन तो चाहिए ही होगी। किसी भी कारण से जब कोई परियोजना विलंब का शिकार होती है तो उसकी लागत बढ़ने के साथ ही अन्य अनेक समस्याएं भी सामने आती हैं। इस पर संतोष व्यक्त नहीं किया जा सकता कि चार राज्यों को लाभान्वित करने वाला सरदार सरोवर बांध आखिरकार देश को समर्पित कर दिया गया, क्योंकि अभी कई ऐसी परियोजनाएं हैं जो देरी से आगे बढ़ रही हैं। ऐसा लगता है कि इस देरी को दूर करने के लिए अभी उपयुक्त उपाय किए जाने भी शेष हैं, क्योंकि केंद्र सरकार की तमाम निगरानी और सक्रियता के बाद भी कई परियोजनाएं देरी का शिकार हैं।

निजता के अधिकार की महत्ता

संवैधानिक ज्ञान, इतिहास और अंतरराष्ट्रीय कानून में समाहित निजता का विषय एक बार फिर चर्चा में है। केएस पुट्टास्वामी (2017) के बेहद चर्चित मामले में इस पर आए फैसले ने हमारे गरिमामयी उदारवाद पर भी एक तरह से मुहर लगाई है। नौ वरिष्ठ न्यायाधीशों के एकमत निर्णय में निजता को मानवीय गरिमा का अभिन्न अंग माना है। साथ ही कहा गया है कि राज्य यानी सरकार द्वारा इसे किसी ऐसे संवैधानिक अधिकार के तौर पर वापस नहीं लिया जा सकता, क्योंकि यह मानव अधिकारों में सबसे ऊपर है। अदालत ने कहा कि निजता गरिमा भाव को सुनिश्चित करती है और यह उन मूल्यों का मूलाधार है जिनका लक्ष्य जीवन और स्वतंत्रता के अधिकार का संरक्षण करना है। बकौल न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ अदालत ने इसे ऐसे समझाया है कि अपने अंतर्निहित मूल्यों के साथ निजता किसी व्यक्ति के जीवन को गरिमापूर्ण बनाती है और गरिमामयी जीवन के साथ ही स्वतंत्र जीवन का वास्तविक आनंद लिया जा सकता है। अनुच्छेद 14, 19 और 21 के तहत प्राप्त जीवन और स्वतंत्रता के मूल अधिकारों के आलोक में संवैधानिक पीठ ने कूपर (1970) और मेनका गांधी (1978) मामलों को मद्देनजर रखते हुए वर्षों पहले न्यायमूर्ति कृष्ण अय्यर के दार्शनिक ज्ञान को ही दोहराया कि किसी विशेष संविधान में सन्निहित मूल अधिकार जो व्यक्ति को मानव बनाते हैं, उनसे जुड़ाव रखते हैं।

बहरहाल एडीएम जबलपुर मामले में अपने पुराने फैसले को संवैधानिक खामी मानते हुए न्यायाधीशों ने कहा कि संविधान की व्याख्या को केवल उसके मूल स्वरूप के दायरे में बांधकर नहीं रखा जा सकता। प्रख्यात अमेरिकी वकील एवं न्यायविद बेंजामिन कादोजो के मशहूर कथन को दोहराते हुए कहा कि संविधान केवल फौरी तौर पर लिए जाने वाले फैसलों के लिए नहीं होता है, बल्कि भविष्य के सिद्धांतों की रूपरेखा भी तैयार करता है। अस्थाई बहुमत के प्रभाव के विरुद्ध संविधानवाद के दर्शन की व्याख्या करते हुए अदालत ने निर्णय दिया कि संवैधानिक अधिकारों के आगे बहुमत की राय मायने नहीं रखती और इस प्रकार इन अधिकारों को लेकर उसने विधायिका और कार्यपालिका के दखल को रोक दिया। तब क्या सवाल इस बात का है कि इस फैसले की इस दमदार दलील का संबंध कार्यपालिका और विधायिका की सार्थक भूमिका से जुड़ा है। खासतौर से कुछ विशेष अधिकारों पर राज्य की प्रतिक्रिया को लेकर। मसलन खाने, सेहत, संतानोत्पत्ति और डाटा से जुड़ी जानकारियों के मामले में पसंद के अधिकार को लेकर क्या निजता के अधिकार की परिधि तय की जाएगी। उम्मीद की जानी चाहिए कि देश के नागरिकों को उन अधिकारों के लिए अंतहीन न्यायिक लड़ाई नहीं लड़नी पड़ेगी जो अधिकार उन्हें विरासत में मिले हैं। इस मामले में सार्थक कदम उठाने की दिशा में सरकार को न्यायमूर्ति एपी शाह विशेषज्ञ समिति (2012) की रिपोर्ट पर गौर करना चाहिए जिसमें एक आदर्श निजता कानून का प्रारूप सुझाया गया है जिस पर एसके कौल ने भी अपने फैसले में सहमति जताई है। प्रस्तावित निजता कानून के लिए नौ बुनियादी सिद्धांतों की सिफारिश करने वाली इस रिपोर्ट की पुट्टास्वामी फैसले के आलोक में समीक्षा की जा सकती है और निजता अधिकारों को सुनिश्चित करने की दिशा में व्यापक कानूनी ढांचा बनाने के लिए यह विश्वसनीय आधार मुहैया करा सकती है। स्वर्गीय रामा जोइस निजता की इस लड़ाई के गुमनाम नायक हैं। कर्नाटक उच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश और राज्य सभा सदस्य रहे जोइस आधार के संदर्भ में लगातार निजता को लेकर अपनी आवाज बुलंद करते रहे। योजना मंत्री के रूप में मेरा भी इस मुद्दे से सामना हुआ। इसका नतीजा हुआ कि योजना आयोग ने आदर्श निजता कानून का प्रारूप तय करने के लिए न्यायमूर्ति एपी शाह के नेतृत्व में एक आयोग का गठन किया। निजता की बहस

में यह पूछा जाना जरूरी है कि क्या आधार की राह में कानूनी चुनौतियों को निजता की लड़ाई में तब्दील करने की जरूरत थी या फिर आधार पर बहस की वह भी तब जब कूपर (1970), मेनका गांधी (1978) और उसके बाद आए सुप्रीम कोर्ट के सिलसिलेवार फैसलों में निजता का अधिकार गरिमा के संदर्भ में मूल अधिकार के तौर पर हमारे संवैधानिक दर्शन में अक्षुण्ण बना रहा। पूरे प्रकरण में निराश करने वाली बात यही रही कि अदालती फैसला आने के बावजूद केंद्रीय कानून मंत्री ने सार्वजनिक स्तर पर बड़े अशोभनीय ढंग से यह कहा कि इस मामले में सरकार की हार नहीं हुई और अदालत ने निजता पर सरकारी दलीलों को खारिज नहीं किया जबकि वह खुद एक नामीगिरामी वकील हैं।

उनका यह बयान इस तथ्य के बावजूद आया है कि इस मामले में सरकार की पैरवी करने वाले अटॉर्नी जनरल ने भी इस बात को स्वीकार करने से गुरेज नहीं किया कि अदालत में इस पर सरकार की हार हुई है जिसमें उन्होंने सरकार की ओर से यह पक्ष रखा था कि निजता मूल अधिकार नहीं है। निजता मामले में आए फैसले का एक बेहद महत्वपूर्ण पहलू भी है जिस पर बहुत ज्यादा गौर नहीं किया गया है। वह यह कि इसके जरिये न्यायिक शक्तियों को लेकर साफ संदेश दिया गया है कि अदालत के न्यायिक समीक्षा क्षेत्राधिकार में नए संवैधानिक अधिकार भी जोड़े जा सकते हैं। कुछ संवैधानिक विद्वानों ने जल्दबाजी में इस फैसले को लेकर अपनी व्याख्या में सुप्रीम कोर्ट के समांतर शासन की बात कही है।

बहरहाल ऐसी अवधारणाओं को खारिज करते हुए अदालत ने कहा है कि यह कवायद संविधानप्रदत्त मौजूदा अधिकारों की व्याख्या से जुड़ी होने के साथ ही यह समझने की भी है कि इन अधिकारों के मूल में आखिर किन तत्वों का समावेश है। इस प्रकार उसने ऐसे संवैधानिक विमर्श के शब्दकोश को स्वीकार किया है कि जो स्व-नियंत्रण के माध्यम से अतिर्रजिता को सही दिशा देने के साथ ही स्वयं के लिए संवैधानिक सिद्धांतों के स्वतंत्र रक्षक के रूप में अपनी भूमिका को लेकर सामान्य स्वीकार्यता भी अर्जित करता है। अपने दायरे में रहते हुए न्यायाधीशों ने अनुभव और कानूनी सिद्धांतों के जरिये अपना कौशल दिखाते हुए न्यायिक सीमा की परिधि का अतिक्रमण करने से परहेज कर विभिन्न शाखाओं वाले एकसमान तंत्र में शक्तियों के पृथक्कीकरण की संवैधानिक शक्तियों वाली व्यवस्था को भी सुनिश्चित किया। यह ऐतिहासिक फैसला कई बातों को पुष्ट करता है। इनमें अकेले रहने के अधिकार को मानवीय गरिमा से जोड़ते हुए, सभी के लिए समानता और स्वतंत्रता को शामिल किया गया है कि ये सभी मानवीय गरिमा के विशिष्ट तत्व और राष्ट्र की उदारवादी मानसिकता के प्रमाण हैं। यह हम पर निर्भर करता है कि हम इस फैसले को कैसे फलीभूत करते हैं ताकि अपने दौर की भावना में विश्वास रख सकें जिसमें मानवाधिकारों और उन्हें संरक्षित रखने में राज्य की भूमिका को सार्वभौमिक स्वीकृति मिल चुकी है।

कसौटी पर कामकाज

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अमित शाह अपने दो दिनी प्रवास के दौरान प्रदेश सरकार के कार्यकाल को भी कसौटी पर परखेंगे। सूबे में सत्तासीन भाजपा इन दिनों पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अमित शाह के दो दिवसीय दौरे की तैयारियों में जुटी हुई है। शाह का दौरा ठीक उस वक्त हो रहा है, जब प्रदेश सरकार अपने शुरूआती छह महीने का कार्यकाल पूर्ण कर रही है। साफ है कि राष्ट्रीय अध्यक्ष अपने दो दिनी प्रवास के दौरान प्रदेश सरकार के कार्यकाल को भी कसौटी पर परखेंगे। यही नहीं, सभी मंत्रियों का छह माह के प्रदर्शन का आंकलन भी राष्ट्रीय अध्यक्ष को करना है। यही वजह है कि मुख्यमंत्री से लेकर उनकी पूरी टीम इन दिनों अपने-अपने रिपोर्ट कार्ड को अंतिम रूप देने में जुटी है। दरअसल, शाह का यह दौरान भाजपा के मिशन 2019 की कड़ी का हिस्सा है। उत्तराखंड में भाजपा वर्तमान में बहुत मजबूत स्थिति में है। साल 2014 के लोकसभा चुनाव में भाजपा ने सूबे की सभी पांचों लोकसभा सीटों पर रिकार्ड जीत दर्ज की थी। उस वक्त प्रदेश की सत्ता में कांग्रेस थी, लेकिन भाजपा ने उसे चारों खाने चित कर दिया। यही क्रम इसी साल की शुरूआत में संपन्न विधानसभा चुनाव में भी जारी रहा।

भाजपा ने अप्रत्याशित प्रदर्शन करते हुए 70 में से 57 विधानसभा सीटों पर जीत दर्ज कर तीन-चौथाई से ज्यादा बहुमत हासिल कर सबको चौंका दिया। कांग्रेस महज ग्यारह सीटों तक सिमट गई। अब भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व की रणनीति है कि पार्टी को हासिल इस एकतरफा जनादेश को डेढ़ साल बाद होने वाले लोकसभा चुनाव तक सहेज कर रखा जाए। इसके लिए जरूरी है कि प्रदेश की भाजपा सरकार उन जन अपेक्षाओं पर खरा उतरे, जिस आधार पर मतदाताओं ने उसे इस कदर भारी बहुमत दिया। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अमित शाह के देशव्यापी कार्यक्रम के तहत उत्तराखंड का दो दिनी प्रवास इसी भरोसे को पुख्ता करने का काम करेगा। पार्टी नेतृत्व पहले भी संदेश दे चुका है कि भारी बहुमत के कारण उत्तराखंड में भाजपा सरकार को लापरवाह नहीं होना है बल्कि और ज्यादा शिद्दत से जन कल्याणकारी कार्यों में जुटना है। साफ समझा जा सकता है कि भाजपा नेतृत्व इस दिशा में आगे बढने के लिए प्रदेश सरकार और संगठन को भविष्य का रोडमैप देगा। साथ ही, यह भी सुनिश्चित किया जाएगा कि पार्टी का अंदरूनी शक्ति संतुलन भी कायम रहे।

दैनिक
मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

समाचार

मुंबई, मंगलवार
19 सितंबर, 2017

सहारा समूह की एम्बी वैली की बोली लगाने में बस दो ने दिखाई दिलचस्पी

मुंबई। सहारा समूह की सुपर लग्जरी टाउनशिप एम्बी वैली की बोली लगाने में अब तक केवल दो ही खरीदारों ने दिलचस्पी दिखाई है। इस प्रॉपर्टी को सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद नीलाम किया जाना है। इसकी रिजर्व कीमत 37,392 करोड़ रुपये तय की गई है। एम्बी वैली की नीलामी की प्रक्रिया सुप्रीम कोर्ट और उसकी तरफ से नियुक्त समिति की सख्त निगरानी में चलाई जा रही है।

अब तक बोली में रुचि दिखाने वालों को लेकर आधिकारिक रूप से कोई बयान नहीं आया है। हालांकि, नाम नहीं बताने की शर्त पर अधिकारियों ने कहा कि दो खरीदारों ने दिलचस्पी दिखाई है। शुरूआती नीलामी प्रक्रिया के तहत अपने केवाईसी (अपने ग्राहक को जानिए) दस्तावेज जमा कराए हैं। प्रक्रिया गोपनीय होने के चलते अधिकारियों ने केवाईसी जमा कराने वाले खरीदारों की विस्तृत जानकारी नहीं दी। माना जा रहा है कि बोली के लिए संपर्क करने वालों में दो अलग-अलग कंसोर्टियम के प्रतिनिधि शामिल हैं। रियल एस्टेट सेक्टर के जानकारों का भी मानना है कि सहारा की इतनी बड़ी प्रॉपर्टी अकेले खरीदना आसान नहीं है। ऐसे में कंसोर्टियम बनाकर ही इसे खरीदने का प्रयास किया जा सकता है। माना जाता है कि महाराष्ट्र स्थिति सहारा की इस प्रॉपर्टी में कई हाई प्रोफाइल सेलिब्रिटी ने निवेश कर रखा है। जानकारों का कहना है कि इस समय रियल एस्टेट सेक्टर धन की तंगी से गुजर रहा है। ऊपर से बैंकों से लोन लेना भी आसान नहीं है। ऐसे में उम्मीद है कि जापान या चीन के खरीदार इसमें रुचि दिखा

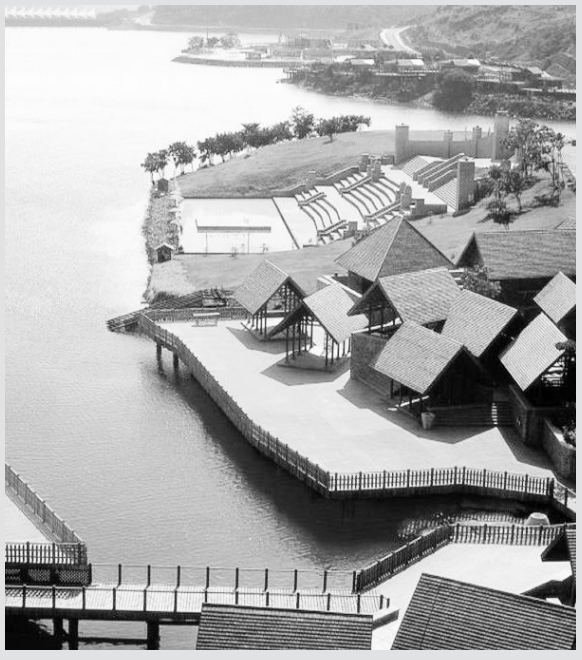

सकते हैं। भारत में कुछ ऐसे बड़े बिजनेस हाउस हैं जो आसानी से इसे खरीद सकते हैं, लेकिन उनका दूर-दूर तक रियल एस्टेट के कारोबार से नाता नहीं है। मुंबई हाई कोर्ट के आधिकारिक लिक्विडेटर ने इस प्रॉपर्टी को 'अल्ट्रा एक्सक्लूसिव चार्टर्ड सिटी' बताया है। इसमें तमाम सुविधाओं के साथ मॉर्डन विला, गोल्फ कोर्स, अस्पताल, स्कूल और एयरपोर्ट भी हैं। लिक्विडेटर ने पिछले महीने विज्ञापन निकाल कर नीलामी की प्रक्रिया शुरू की थी। इस विज्ञापन के अनुसार पुणे के लोनावाला में यह हिल सिटी टाउनशिप 6,761.6 एकड़ में फैली है। इसके अलावा आसपास करीब 1700 एकड़ जमीन और भी है। सुप्रीम कोर्ट की ओर से निर्धारित समयसीमा के अनुसार, बोलीदाताओं को नौ सितंबर तक केवाईसी देना था। सहारा का कहना है कि इस टाउनशिप का बाजार मूल्य एक लाख करोड़ रुपये है। कंपनी ने हाल ही में कहा था कि लिक्विडेटर ने अभी नीलामी की प्रक्रिया के दो ही चरण पूरे किए हैं। पहला है विज्ञापन देना और दूसरा इच्छुक खरीदारों का केवाईसी दस्तावेज लेना। लेकिन सुप्रीम कोर्ट में अगली सुनवाई से पहले अगर कंपनी 1,500 करोड़ रुपये जमा करा देगी, तो इस टाउनशिप की बिक्री रोक दी जाएगी। सहारा समूह की दो कंपनियों ने अवैध तरीके से निवेशकों से 24 हजार करोड़ रुपये जुटाए थे। सुप्रीम कोर्ट ने इसी पैसे को ब्याज सहित निवेशकों को लौटाने का आदेश दिया है। सहारा समूह से पैसे की वसूली और निवेशकों तक उसे पहुंचाने की प्रक्रिया बाजार नियामक सेबी पूरा कर रहा है।

(पृष्ठ 1 का शेष)

अवैध और खतरनाक Kube लांज एंड क्लब हुक्का पार्लर

कमजोर और खतरनाक स्टार बाजार मॉल की टेरिस पर बने इस अवैध बांधकाम की दीवारों का बोझ क्या यह इमारत सह पाएगी?

अंधेरी पश्चिम के स्टार बाजार मॉल का टेरिस...

लेकिन इन सब बातों की खबर लगता है न तो अंबोली पुलिस को है और न ही उत्पाद विभाग के किसी को है। अगर कभी पुलिस व उत्पाद अधिकारी यहां छापेमारी करता है तो क्यूब लांज एंड क्लब हुक्का पार्लर के मालिक मोटी रिश्वत देकर मामला वहीं खत्म कर देता है। जबकि नियम यह भी है कि अगर किसी हुक्का पार्लर में कानून के साथ खिलवाड हो रहा है और वह दो बार पकडा जाता है तो उत्पाद व पुलिस को उसे सील कर देने का अधिकार है। लेकिन ऐसा अभी तक नहीं हुआ है। पैसों के बल पर सभी मामले निपटा दिये जाते हैं।

हमने पहले भी लिखा है कि अंधेरी पश्चिम के स्टार बाजार मॉल के टेरिस पर बने Kube लांज एंड क्लब हुक्का पार्लर की हालत काफी दयनीय हो गई है। स्टार मॉल बाजार के टेरिस पर चल रहे हुक्का पार्लर में उभड़ी भीड़ के कारण किसी भी क्षण इसके गिरने का खतरा पैदा हो गया है। इसके बारे में हमने मनपा और पुलिस को पहले ही खबरदार किया है लेकिन अभी तक कोई कार्रवाई नहीं की गई है। लगता है जैसे उसे किसी बडे हादसे का इंतेजार है। अंधेरी पश्चिम स्थित स्टार बाजार मॉल के टेरिस पर चल रहे Kube लांज एंड क्लब के हुक्का पार्लर की वजह से एक तरफ देश की युवा पीढ़ी नशे के गर्त में डूबती चली जा रही है तो दूसरी तरफ इस मॉल की खतरनाक स्थिति के कारण लोगों की जिंदगी खतरे में पड़ गई है। लेकिन मनपा के/वेस्ट वार्ड के तमाम अधिकारी स्टार बाजार मॉल और इसके टेरिस पर चल रहे Kube हुक्का पार्लर की तरफ से आंखे बंद किये हुए हैं। सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार स्टार बाजार मॉल के टेरिस पर अवैध रूप से बने इस Kube लांज एंड क्लब हुक्का पार्लर में मुंबई के विभिन्न क्षेत्रों के लड़के-लड़कियां जमा होती हैं और लेट नाईट तक चलने वाले इस हुक्का पार्लर में हुक्का के कश लगाकर नशे में डूब जाती हैं। इनमें कम उम्र के लड़के-लड़कियों की संख्या ज्यादा दिखाई देती है। भीड़ इतनी अधिक होती है कि हमेशा इस इमारत के ध्वस्त होने का खतरा बना रहता है। क्योंकि खतरनाक हालत में पहुंची स्टार बाजार मॉल के टेरिस पर जो अवैध बांधकाम किया गया है उसे कांच, अल्मूनियन और एग्रील का सपोर्ट है। उसी का सहारा लेकर काफी मोटी मोटी दिवारे बनाई गई है जो हुक्का पार्लर में जमा भीड़ के कारण और भी ज्यादा **ओवरलोड** हो जाती हैं। इस कारण इस अवैध और खतरनाक इमारत के गिरने का खतरा और भी बढ़ जाता है और घाटकोपर हादसे जैसी दुर्घटना को यहां कभी भी देखा जा सकता है। हुक्का पार्लर के कारण यहां काफी भीड़ जमा होती है उनकी गाडियां नीचे यातायात को भी प्रभावित करती हैं।

इस कारण यहां कभी-कभी विवाद भी होता देखा गया है। इन सबके बावजूद मनपा के/वेस्ट वार्ड के अधिकारी लगता है जैसे सोये पड़े हुए हैं। उन्हें घाटकोपर हादसे जैसी किसी बड़ी दुर्घटना का इंतेजार है। मनपा आयुक्त अजोय मेहता और मुंबई पुलिस आयुक्त दत्तात्रय पडसलगिकर से लोगों की अपील है कि वे खुद स्टार बाजार मॉल और इसके टेरिस पर चल रहे Kube लांज एंड क्लब हुक्का पार्लर के गैर कानूनी कामों को देखें और इसपर अविलंब सख्त कार्रवाई करने का आदेश जारी करें नहीं तो यहां भी घाटकोपर हादसे जैसी दुर्घटना हो सकती है। क्योंकि Kube हुक्का पार्लर के ओवरलोडिंग पर कारण यह बिल्डिंग काफी खतरनाक हो चुकी है।

नरेंद्र की राह पर...

उन्होंने मराठवाड़ा संभाग में मंत्रिमंडल की बैठक जल्द ही आयोजित किए जाने का आश्वासन भी दिया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य के प्रत्येक मंत्री को उनके कार्यों का लेखा-जोखा प्रस्तुत करने के लिए एक प्रश्नावली दी गई है। उनके कार्यों का मूल्यांकन करने के पश्चात नवरात्र के बाद होने वाले मंत्रिमंडल विस्तार में कुछ मंत्रियों के विभाग बदले जाएंगे, साथ ही कुछ नए विधायकों को मंत्रिमंडल में शामिल भी किया जाएगा। अपराधों पर अंकुश लगाने के लिए जल्द ही राज्य में 65 पुलिस थानों की स्थापना की जाएगी। मराठवाड़ा का अनुशेष पूरा करने की दिशा में प्रयास किए जा रहे हैं। इस संबंध में जल्द ही औरंगाबाद में आयोजित होने जा रही मंत्रिमंडल की बैठक में निर्णय लिया जाएगा। साइबर अपराध रोकने के लिए हर जिले में साइबर सेल की स्थापना की गई है। यह उपलब्धि हासिल करने वाला महाराष्ट्र देश में पहला राज्य है। सरकार गुणात्मक पुलिसिंग की दृष्टि से तकनीक के इस्तेमाल को प्राथमिकता दे रही है। सीसीटीवी नेटवर्किंग का इस्तेमाल बढ़ाकर कानून-सुव्यवस्था सुचारु रखने और आपातकालीन परिस्थिति में बड़े पैमाने पर सहायता हासिल करने के प्रयास भी जारी हैं। राज्य में सोशल मीडिया के फैलाव के साथ इसका गलत इस्तेमाल करने के मामले भी बढ़ रहे हैं। बहुत से असामाजिक तत्वों द्वारा तनाव निर्माण करने के लिए गलत पोस्ट वायरल किए जा रहे हैं। उन्हें तत्काल डिलीट करने के लिए राज्य में एक तंत्र भी जल्द ही शुरू किया जाएगा। इससे पहले 8 जुलाई को हुआ था विस्तार राज्य मंत्रिमंडल का विस्तार इससे पहले 8 जुलाई को हुआ था। इसमें 10 नए चेहरे शामिल किए गए थे। खडसे के इस्तीफे के बाद चंद्रकांत पाटील को राजस्व मंत्री बनाया गया था। मंत्रिमंडल में कुल मंत्रियों की संख्या 39 हो गई थी।

तीन तलाक के बाद अब...

वह ना अल्पसंख्यकों को नाराज करना चाहती है और ना ही बहुसंख्यक समाज के सामने विलेन बनना चाहती है। इसलिए इस मुद्दे पर वह सरकार को कटघरे में खड़ा कर पीछा छुड़ाना चाहती है। सुप्रीम कोर्ट में सरकार के रुख पर जब कांग्रेस प्रवक्ता से उनकी राय मांगी, तो टॉम वडक्कन ने कहा कि, सरकार की अपनी कोई साफ नीति नहीं है। एक तरफ मुस्लिम तुष्टिकरण के लिए जहाज से रोहिंग्या मुसलमानों के लिए राहत सामग्री टैक्स पेयर्स के पैसे से भेज रही है। वहीं, दूसरी तरफ हिंदुत्व की राजनीति के तहत रोहिंग्या मुसलमानों को देशविरोधी गतिविधियों में शामिल बताकर देश से बाहर करने का हलफनामा दे रही है। कुल मिलाकर गंभीर मसले पर सरकार सिर्फ राजनीति कर रही है। कांग्रेस का कहना है कि आखिर यह कैसे हो सकता है कि, एक तरफ आप मानवीयता के आधार पर रोहिंग्या मुस्लिमों को मदद भेजें और दूसरी तरफ उनको देशविरोधी गतिविधियों में शामिल बताएं। सरकार किसी एक नीति पर आगे नहीं बढ़ रही है।

21 तोपों की सलामी के साथ मार्शल अर्जन सिंह को अंतिम विदाई

भारतीय वायु सेना के मार्शल अर्जन सिंह पंचतत्व में विलीन हो गए। मार्शल अर्जन के बेटे ने उनका दाह-संस्कार किया। नई दिल्ली के बरार स्क्वायर में उन्हें मुखाग्नि दी गई। अर्जन सिंह का अंतिम संस्कार राजकीय सम्मान के साथ किया गया, उन्हें 21 तोपों की सलामी भी दी गई, इसके अलावा उन्हें फ्लाई पास्ट भी दिया गया। अर्जन सिंह के सम्मान में नई दिल्ली की सभी सरकारी इमारतों पर लगा राष्ट्रीय ध्वज आधा झुका दिया गया।

रक्षा मंत्री निर्मला सीतारमण ने भी बरार स्क्वायर पहुंच कर उन्हें अंतिम विदाई दी। उनके अलावा पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह और भाजपा के वरिष्ठ नेता लालकृष्ण आडवाणी ने भी वहां पहुंच उन्हें श्रद्धांजलि दी। सेना के तीनों अंगों के प्रमुख भी अर्जन सिंह को अंतिम विदाई देने के लिए मौजूद रहे। भारत के महानतम सैनिकों में से एक सिंह ने 1965 में भारत-पाकिस्तान युद्ध में नवगठित भारतीय वायुसेना की कमान संभाली थी। 98 वर्षीय अर्जन सिंह का शनिवार को सेना के रिसर्च एवं रेफरल अस्पताल में निधन हो गया।

राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, रक्षा मंत्री निर्मला सीतारमण के अलावा एयर चीफ मार्शल बिरेंद्र सिंह धनोआ, नौसेना प्रमुख एडमिरल सुनील लाम्बा और थलसेना प्रमुख जनरल बिपिन रावत सहित अन्य गणमान्य लोगों ने रविवार को मार्शल अर्जन सिंह के आवास पर उन्हें पुष्पांजलि अर्पित की थी।

सिंह ने 60 से ज्यादा विमानों को उड़ाया

सिंह ने 1965 में भारत-पाक युद्ध के दौरान भारतीय वायुसेना का नेतृत्व किया था। 60 से अधिक प्रकार के विमानों को उड़ा चुके सिंह ने वायुसेना को विश्व में सबसे ताकतवर वायुसेनाओं में से एक तथा दुनिया की चौथी सबसे बड़ी वायुसेना बनाया। वह न केवल निडर लड़ाकू पायलट थे बल्कि उन्हें वायुसेना की शक्ति के बारे में गहरी जानकारी भी थी। उन्हें देश के दूसरे सर्वोच्च नागरिक सम्मान पद्म विभूषण से सम्मानित किया गया था।

वायुसेना स्टेशन पानागढ़ का नाम वायुसेना स्टेशन अर्जन सिंह रखा गया

एयर मार्शल अर्जन सिंह को सबसे पहला एयर चीफ मार्शल होने का भी गौरव प्राप्त हुआ। उन्हें 1965 के भारत पाकिस्तान युद्ध के बाद पद्मविभूषण से अलंकृत किया गया। वह सेवानिवृत्त होने के बाद स्विट्जरलैंड और केन्या में भारत के राजदूत भी रहें।

वर्ष 1989-90 में दिल्ली के उपराज्यपाल के पद पर भी तैनात रहें। वह इकलौते वायु सेना अधिकारी थे जिन्हें फाइव स्टार रैंक प्रदान की गई थी। वह सबसे कम उम्र में वायुसेना प्रमुख बने। उन्हें 44 साल की उम्र में ही भारतीय वायु सेना का नेतृत्व करने की जिम्मेदारी मिली जिसे उन्होंने बखूबी निभाया। अलग-अलग तरह के 60 से भी ज्यादा विमान उड़ाने वाले मार्शल अर्जन सिंह ने भारतीय वायु सेना को दुनिया की सबसे ताकतवर और दुनिया की चौथी सबसे बड़ी वायु सेना बनाने में अहम भूमिका निभायी थी।

स्वच्छ भारत अभियान के लिए PM मोदी ने मांगी मदद

स्वच्छ भारत अभियान के तीन साल पूरा होने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उद्योग, खेल, सिनेमा समेत विभिन्न क्षेत्रों की प्रमुख हस्तियों को खत लिखकर स्वच्छता ही सेवा अभियान के लिये उनका समर्थन मांगते हुए कहा कि यह सबसे अच्छी सेवा है। पीएम ने 2 अक्टूबर, 2014 को साफ-सफाई को बढ़ावा देने के लिये स्वच्छ भारत अभियान शुरू करते हुये खुद हाथों में झाड़ू थामी थी। उन्होंने प्रमुख हस्तियों, प्रमुख उद्योगपतियों, खिलाड़ियों, फिल्म कलाकारों, धर्म गुरुओं और अन्य प्रसिद्ध तथा प्रमुख लोगों को व्यक्तिगत खत लिखकर उनसे समर्थन मांगा।

सभी को करना चाहिए स्वच्छता का पालन

अपने संक्षिप्त खत में मोदी ने लिखा कि बापू मानते थे कि स्वच्छता का पालन हम सभी को करना चाहिये, सीमाओं और पीढ़ियों के बंधनों से इतर महात्मा गांधी ने करोड़ों लोगों को प्रेरित करते हुये यह भी साफ किया कि स्वच्छता के प्रति हमारा रुख समाज के प्रति हमारा रवैया भी दर्शाता है। उन्होंने कहा कि बापू मानते थे कि स्वच्छता को सामुदायिक सहभागिता के जरिये हासिल किया जा सकता है। इन हस्तियों से स्वच्छता के लिये शपथ लेने की बात करते हुए पीएम ने कहा कि 2 अक्टूबर को गांधी जयंती आ रही है हम समूचे भारत में स्वच्छता पहल के लिये व्यापक समर्थन और भागीदारी के लिये प्रोत्साहित कर सकते हैं।

गंदगी समाज के कमजोर वर्ग को करती है प्रभावित

उन्होंने लिखा कि आइये यह सुनिश्चित करें कि आने वाले दिन स्वच्छता ही सेवा के मंत्र के साथ आत्मसात करने के होंगे। मोदी ने लिखा, कि मैं व्यक्तिगत रूप से स्वच्छता ही सेवा अभियान और स्वच्छ भारत के लिये कुछ समय समर्पित करने के उद्देश्य से आपको समर्थन देने के लिये आमंत्रित करता हूं। उन्होंने कहा कि स्वच्छता के लिये साथ आना बापू को उपयुक्त श्रद्धांजलि होगी और नये भारत के निर्माण की तरफ भी योगदान होगा। पीएम ने जय हिंद! के साथ अपना खत समाप्त करने से पहले लिखा कि एक स्वच्छ भारत गरीबों, पिछड़ों और हाशिये पर पड़े लोगों के लिये सबसी अच्छी सेवा है। आसपास की गंदगी समाज के कमजोर वर्ग को सबसे ज्यादा प्रभावित करती है।

बाप बेटे की लड़ाई के कारण सपा टूट की ओर अग्रसर

टूट की ओर अग्रसर सपा के संरक्षक मुलायम सिंह यादव और उनके भाई शिवपाल सिंह यादव आगामी नवरात्रि में नई पार्टी की घोषणा कर सकते हैं। सपा का राष्ट्रीय प्रतिनिधिमंडल सम्मेलन आगामी 5 अक्टूबर को आगरा में बुलाया गया है। राजनीतिक हल्कों में कयास लगाए जा रहे हैं कि राष्ट्रीय सम्मेलन से पहले ही मुलायम सिंह यादव द्वारा नई पार्टी बनाने का निर्णय लिया जा सकता है।

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव के चाचा शिवपाल सिंह यादव के अनुसार, जल्द ही नई पार्टी के गठन की घोषणा की जाएगी। उनका कहना था कि वह और नेता जी (मुलायम सिंह यादव) चाहते हैं कि पार्टी और परिवार एक रहे, लेकिन अखिलेश यादव अपनी जिद पर अड़े हैं। उनकी जिद की वजह से मजबूरन नई पार्टी के गठन के बारे में सोचना पड़ रहा है।

सपा का प्रदेशीय सम्मेलन 23 सितंबर को लखनऊ में और राष्ट्रीय सम्मेलन 5 अक्टूबर को आगरा में है। आगरा से मिली रिपोर्ट के अनुसार राष्ट्रीय सम्मेलन के लिए लगने वाले होर्डिंग्स में मुलायम सिंह यादव का चित्र नहीं रहेगा। पार्टी के वरिष्ठ नेता और मुलायम सिंह यादव के करीबी न बताया कि नई पार्टी का नाम समाजवादी सेकुलर फ्रंट हो सकता है और इसकी घोषणा नवरात्रि में की जा सकती है।

मुलायम सिंह यादव और शिवपाल सिंह यादव के समर्थकों ने जिलेवार अपने लोगों को चिन्हित करना शुरू कर दिया है। उनका दावा था कि अखिलेश यादव के नरेश उत्तम सहित उनके कई नजदीकी अपने जिलों में विधानसभा की एक भी सीट जिताने की स्थिति में नहीं है। दु:खद तो यह है कि ऐसे लोग नेताजी पर उंगली उठा रहे हैं। उधर,अखिलेश यादव के समर्थक विधायक सुनील सिंह का कहना है कि पार्टी लगातार मजबूत हो रही है। जिसको जहां जाना हो वो जाए। सन् 2019 के लोकसभा चुनाव में पार्टी का प्रदर्शन बेहतर रहेगा और 2022 में सपा सरकार बनाएगी।

लेखक चिमगामेजू प्रोग्रेस मॉरिसन ने प्रसिद्ध बॉलीवुड लेखक / निर्देशक संजय चेल और अभिनेत्री पायल घोष द्वारा अपनी पहली पुस्तक मोर विजडम इन फेलियर नमक किताब का विमोचन किया।

सोनिया, राहुल व येचुरी के खिलाफ मानहानि का केस

गौरी लंकेश हत्या मामला

कर्नाटक की वरिष्ठ पत्रकार गौरी लंकेश की हत्या के बाद राजनीतिक आरोप और प्रत्यारोप का दौर शुरू हुआ। कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी, राहुल गांधी और सीपीआईएम महासचिव सीताराम येचुरी ने गौरी की हत्या के लिए आरएसएस को जिम्मेदार ठहराया। जिसके विरोध में मुंबई के एक वकील ने इन तीनों के खिलाफ मानहानि का मुकदमा दर्ज कराया।

इन नेताओं ने संघ की छवि की खराब

आरएसएस के स्वयंसेवक रहे वकील धृतिमन जोशी ने अपनी याचिका में आरोप लगाया कि गौरी लंकेश की हत्या के बाद दोनों राजनीतिक दलों के नेताओं द्वारा जो बयान दिए गए उससे आम जन मानस के मन में संघ की छवि खराब हुई है। इन नेताओं ने बिना किसी छानबीन और सबूत के संघ को बदनाम करने की कोशिश की है। जोशी ने कहा कि वह संघ के स्वयंसेवक हैं, इसलिए इन नेताओं के बयान से अपमानित महसूस कर रहे हैं। साथ ही आम आदमी की निगाहों में चुभने लगे हैं।

SC में केंद्र का हलफनामा रोहिंग्या मुस्लिम देश के लिए खतरा

केंद्र ने आज उच्चतम न्यायालय में कहा कि रोहिंग्या मुस्लिम शरणार्थी देश में गैरकानूनी हैं और उनका लगातार यहां रहना राष्ट्र की सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा है। केन्द्र ने उच्चतम न्यायालय की रजिस्ट्री में आज इस मामले में एक हलफनामा दाखिल किया जिसमे कहा गया है कि सिर्फ देश के नागरिकों को ही देश के किसी भी हिस्से में रहने का मौलिक अधिकार है और गैरकानूनी शरणार्थी इस अधिकार के लिये उच्चतम न्यायालय के अधिकार क्षेत्र का इस्तेमाल नहीं कर सकते। इससे पहले, सवेरे प्रधान न्यायमूर्ति दीपक मिश्रा, न्यायमूर्ति ए एम खानविलकर और न्यायमूर्ति धनन्जय वाई चन्द्रचूड की तीन सदस्यीय खंडपीठ को केंद्र की ओर से अतिरिक्त सालिसीटर जनरल तुषार मेहता ने सूचित किया था कि इस मामले में आज ही हलफनामा दाखिल किया जायेगा।

पीठ ने मेहता के कथन पर विचार के बाद रोहिंग्या मुस्लिम शरणार्थियों को वापस भेजे जाने के खिलाफ दो रोहिंग्या मुस्लिम मोहम्मद सलीमुल्ला और मोहम्मद शाकिर की जनहित याचिका पर सुनवाई तीन अक्तूबर के लिए स्थगित कर दी। गृह मंत्रालय द्वारा दायर हलफनामे में सरकार ने कहा, संविधान के अनुच्छेद 19 में प्रदत्त सांविधानिक अधिकारों से स्पष्ट है कि भारत की सीमा के किसी भी हिस्से में रहने और बसने तथा देश में स्वतंत्र रूप से कहीं भी आने जाने का अधिकार सिर्फ भारत के नागरिकों को ही उपलब्ध है। कोई भी गैरकानूनी शरणार्थी इस न्यायालय से ऐसा आदेश देने के लिए अनुरोध नहीं कर सकता है जो प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष रूप से सामान्य रूप में मौलिक अधिकार प्रदान करता है। केंद्र ने कहा कि रोहिंग्या शरणार्थी गैरकानूनी हैं और उनका यहां लगातार रहना देश की सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा है।

साथ ही केंद्र ने कहा कि वह इस मामले में सुरक्षा खतरों और विभिन्न सुरक्षा एजेन्सियों द्वारा एकत्र जानकारी का विवरण सीलबंद लिफाफे में पेश कर सकता है। न्यायालय में केंद्र ने कहा कि चूंकि भारत ने 1951 की शरणार्थियों के दर्जे से संबंधित संधि और 1967 के शरणार्थियों के दर्जे से संबंधित प्रोटोकाल पर हस्ताक्षर नहीं किए हैं, इसलिए याचिकाकर्ता इस मामले में इनका सहारा नहीं ले सकते हैं। केंद्र के अनुसार इन्हें वापस भेजने पर प्रतिबंध संबंधी प्रावधान की जिम्मेदारी 1951 की संधि के तहत आती है। यह जिम्मेदारी सिर्फ उन्हीं देशों के लिये बाध्यकारी है जो इस संधि के पक्षकार हैं।

केंद्र सरकार ने कहा है कि चूंकि भारत इस संधि का अथवा प्रोटोकाल में पक्षकार नहीं है, इसलिए इनके प्रावधान भारत पर लागू नहीं होते हैं। न्यायालय ने इस याचिका पर राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग को नोटिस जारी नहीं किया जिसके पास पहले से ही यह मामला है। आयोग ने केंद्र को 18 अगस्त को नोटिस जारी किया था। इस जनहित याचिका में दावा किया गया है कि वे संयुक्त राष्ट्र शरणार्थियों के उच्चायोग के तहत पंजीकृत शरणार्थी हैं और उनके समुदाय के प्रति बड़े पैमाने पर भेदभाव, हिंसा और खूनखराबे की वजह से म्यांमा से भागने के बाद उन्होंने भारत में शरण ली है।

याचिका में कहा गया है कि म्यांमा की सेना द्वारा बड़े पैमाने पर रोहिंग्या मुसलमानों पर कथित रूप से अत्याचार किए जाने की वजह से इस समुदाय के लोगों ने म्यांमा के पश्चिम राखिन प्रांत से पलायन कर भारत और बांग्लादेश में पनाह ली है। भारत आने वाले रोहिंग्या मुस्लिम जम्मू, हैदराबाद, हरियाणा, उत्तर प्रदेश और दिल्ली- राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र तथा राजस्थान में रह रहे हैं।

मायावती ने बीजेपी पर लगाया बड़ा आरोप

बीएसपी सुप्रीमो मायावती ने बीजेपी पर अब तक का सबसे गंभीर आरोप लगाया है। उन्होंने कहा है कि सहारनपुर के शब्बीरपुर गांव में जातीय हिंसा कराने का मकसद मेरी हत्या कराना था लेकिन बीएसपी के कार्यकर्ताओं ने इस प्लानिंग को फेल कर दिया।

राज्यसभा से इस्तीफा देने के बाद पहली बार रैली को संबोधित करते हुए मायावती ने कहा कि महाराणा प्रताप के नाम पर जानबूझ कर हिंसा फैलाई। बीजेपी इस बहाने मेरी हत्या कराना चाहती है। बीजेपी के लोगों को मालूम नहीं था कि बीएसपी के कार्यकर्ता मुझे कुछ नहीं होने देंगे। बीजेपी की प्लानिंग फेल हो गई।

मायावती ने कहा कि ईवीएम की गड़बडियों को उनकी पार्टी ने उजागर किया। ईवीएम की गड़बडियों से ही बीएसपी को हराया गया। उन्होंने कहा कि बीजेपी की सरकार बनने के बाद दलितों पर उत्पीडन और अत्याचार की घटनाएं बढ़ी है।

➤जातीय संघर्ष को कराने के पीछे बीजेपी का एक ही राजनीतिक मकसद था। पूरे देश में दलित वोट हासिल करने की सोची समझी हिंसक वारदात कराई। दलित समाज को बांटने की कोशिश कर रही है बीजेपी। इससे सावधान रहने की जरूरत है।

➤हमने सुप्रीम कोर्ट में भी दरख्वासत की। सोची समझी रणनीति के तहत सहारनपुर में जातीय हिंसा फैलाई। मैं शब्बीरपुर गांव पहुंची और वहां दलित समाज के लोगों से मिली। हवाई मार्ग से जाने की इजाजत नहीं दी तो सड़क मार्ग से गई। मेरे वहां जाने को बीजेपी के लोग नहीं रोक पाए। बीजेपी के लोग बीएसपी को लेकर चिंतित थे। यही कारण है कि उन्होंने राष्ट्रपति पद के लिए दलित को चुना।

सावधान! 30 सितंबर के बाद बेकार हो जाएंगे 6 बैंकों के चेक

अगर आपका भारतीय स्टेट बैंक के 5 पूर्व सहयोगी बैंकों जैसे कि स्टेट बैंक ऑफ पटियाला में खाता है तो यह खबर आपके लिए बहुत काम की है। भारतीय स्टेट बैंक ने 5 पूर्व सहयोगी बैंकों और भारतीय महिला बैंक के ग्राहकों से आवेदन किया है कि वह तुरंत प्रभाव से नई चेक बुक के लिए आवेदन करें क्योंकि 30 सितंबर के बाद पुराने बैंक के चेक मान्य नहीं होंगे और वह बेकार हो जाएंगे।

तुरंत लें नई चेक बुक

भारतीय स्टेट बैंक ने ग्राहकों से कहा है कि यदि उन्होंने अभी तक रद्दक की नई चेक बुक के लिए आवेदन नहीं किया है तो तुरंत करें, क्योंकि पुरानी चेक बुक और कऋर कोड 30 सितंबर के बाद अमान्य हो जाएंगे अर्थात वैध्य नहीं होंगे। स्टेट बैंक ने ग्राहकों से आवेदन किया है कि नई चेक बुक के लिए इंटरनेट बैंकिंग, मोबाइल बैंकिंग, ए.टी.एम. में जाकर तुरंत आवेदन करें।

बता दें कि 1 अप्रैल 2017 से भारतीय स्टेट बैंक में स्टेट बैंक ऑफ बीकानेर एंड जयपुर, स्टेट बैंक ऑफ हैदराबाद, स्टेट बैंक ऑफ मैसूर, स्टेट बैंक ऑफ पटियाला, स्टेट बैंक ऑफ त्रावणकोर और भारतीय महिला बैंक का विलय हो चुका है।

विपासना का सरेंडर

राम रहीम के हर राजदार और उसका साथ देने वालों पर पुलिस शिकंजा कसती जा रही है। रकब ने विपासना इंसां को पूछताछ के लिए सिरसा बुलाया था। डेरे की राजदार विपासना जांच के लिए सिरसा के हुड्डा चौकी पहुंच चुकी है, जहां उनसे रकब इंचार्ज कुलदीप बेनीवाल पूछताछ कर रहे हैं। विपासना से हनीप्रीत और पंचकूला और सिरसा में हुई हिंसा को लेकर पूछताछ की जाएगी। डीजीपी बीएस संधू ने जानकारी देते हुए कहा कि विपासना ने एसपी सिरसा को खुद फोन कर जांच में पेश होने की बात कही थी। विपासना राम रहीम की वह इंसान है जो हनीप्रीत से पहले राम रहीम के करीब थी। हनीप्रीत के आने के बाद विपासना को डेरे के दूसरे काम सौंप दिए गए। विपासना के बारे में ये भी कहा जा रहा है 25 अगस्त की रात को विपासना ने अपने तीन लोगों को इनोवा गाड़ी लेकर रोहतक भेजा था। विपासना से मोबाइल पर बातचीत करने के बाद ही हनीप्रीत उक्त लोगों के साथ जाने को तैयार हुई थी।

उत्तर कोरिया पर दबाव बढ़ाएगा US

नॉर्थ कोरिया द्वारा संयुक्त राष्ट्र द्वारा लिए एक्शन के बाद भी लगातार मिसाइल और परमाणु परीक्षण के बाद अब अमरीका ने उत्तर कोरिया पर दबाव बनाने की तैयारी है। इस बीच संयुक्त राष्ट्र में अमरीकी राजदूत निक्की हेली ने चेतावनी जारी करते हुए कहा है कि कोरियाई प्रायद्वीप के परमाणु मुद्दे पर संयुक्त राष्ट्र के सभी विकल्प खत्म हो गए हैं। हेली ने एक इंटरव्यू में कहा कि हम इस मामले में सुरक्षा परिषद में जो कुछ कर सकते थे, वो सारे विकल्प लगभग खत्म हो चुके हैं। वहीं उन्होंने आगे चेतावनी भरे अंदाज में कहा कि हम में से कोई भी युद्ध नहीं चाहता है। मगर परमाणु मुद्दे पर कूटनीति विफल होने की स्थिति में अमरीकी रक्षा मंत्री जिम मैटिस इस पर ध्यान देंगे। उधर, व्हाइट हाउस ने कहा है कि उत्तर कोरिया के ताजा परीक्षण के बाद अमरीका और दक्षिण कोरिया उस पर दबाव बढ़ाने पर सहमत हुए हैं। बयान के अनुसार, अमरीकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और दक्षिण कोरियाई राष्ट्रपति मून जे-इन की फोन पर बातचीत हुई थी।

विश्व बलूच संगठन ने उठाई पाकिस्तान के खिलाफ आवाज

बलूचिस्तान में मानवाधिकार उल्लंघन के खिलाफ आवाज उठाते हुए सोमवार को विश्व बलूच संगठन द्वारा संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद (UNHCR) के सामने पाकिस्तान के खिलाफ प्रदर्शन किया गया। वठलुठफ के 36वें सत्र के मौके पर मानवाधिकार कार्यकताओं, बलूच प्रतिनिधियों और बलूच समर्थकों ने विरोध प्रदर्शन आयोजित किया । प्रदर्शनकारियों ने बलूचिस्तान में सामान्य मानवाधिकारों की स्थिति पर निराशा जताई है और हालात में सुधार की मांग की।

बलूच मानवाधिकार कार्यकर्ता शाहजान बलूच ने कहा, हमारा उद्देश्य पाकिस्तान में मानवाधिकार उल्लंघन के खिलाफ आवाज उठाना है, हमारा उद्देश्य बलूचिस्तान में मिलिट्री ऑपरेशन के खिलाफ आवाज उठाना है और वहां बन रहा चीन पाकिस्तान आर्थिक गलियारा (CPEC) प्रोजेक्ट बलूच नागरिकों के खिलाफ है इसलिए हम यहां बलूचिस्तान में मानवाधिकार उल्लंघन के मुद्दे पर विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि इसलिए हम बलूचिस्तान के लोगों के लिए प्रदर्शन कर रहे हैं।

शाहजान ने बताया कि पाकिस्तान में मौलिक अधिकारों की भी आजादी नहीं है। बलूच लोगों को पाकिस्तान में गिरफ्तार किया गया लेकिन कोर्ट में पेश नहीं किया गया। शाहजान ने बताया कि बलूचिस्तान में हालात बहुत खराब हैं।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

रेयान स्कूल फिर 24 सितंबर तक बंद, 10 दिन बाद खुला था

1200 में से सिर्फ 250 बच्चे ही पहुंचे

गुरुग्राम। गुरुग्राम का रेयान इंटरनेशनल स्कूल को सोमवार को फिर से खोला गया था। 7 वर्षीय छात्र प्रद्युम्न की हत्या की वजह से 10 दिन से स्कूल बंद था। लेकिन एक बार फिर गुरुग्राम प्रशासन ने 24 सितंबर तक स्कूल को बंद रखने का फैसला लिया है। सोमवार को जैसे ही स्कूल खुला कई अभिभावकों ने स्कूल कैंपस में सुरक्षा को लेकर सवाल खड़े कर दिए। साथ ही प्रद्युम्न के पिता वरुण ठाकुर ने भी स्कूल खोलने का विरोध किय। उन्होंने इसके लिए गुरुग्राम के डिप्टी कमिश्नर को खत लिखकर इसका विरोध जताया। उन्होंने लिखा कि सीबीआई ने अभी तक केस अपने हाथ में नहीं लिया है। लेकिन इससे पहले ही स्कूल खुल गया है, जिससे सबूतों को खतरा पहुंच सकता है। उन्होंने अपील की है कि जब तक सीबीआई केस को अपने हाथ में ना लें तो स्कूल को बंद रखा जाए।

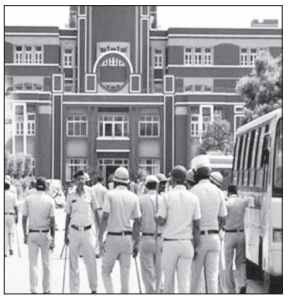

गुरुग्राम के डिप्टी कमिश्नर विनय प्रताप सिंह ने प्रेस कांफ्रेंस कर कहा कि सोमवार को स्कूल में कुल 250 बच्चे आए हैं, हमें अभिभावको के खोए विश्वास को वापस लाना है। स्कूल में अभिभावकों से सुरक्षा पर बैठक हुई है, अगले शनिवार को पीटीएम रखेंगे। उन्होंने कहा कि अर्द्धवार्षिक परीक्षाओं को कुछ समय के लिए रोक दिया गया है। उन्होंने बताया कि स्कूल भले ही खुला हो लेकिन घटना स्थल पूरी तरह से सील है। विनय प्रताप बोले कि जो अभिभावक अपने बच्चों को रेयान स्कूल में नहीं पढ़ाना चाहते हैं, उनसे कहूंगा कि हमने स्कूल को टेकओवर कर लिया है वो सुरक्षा देख लें अगर संतुष्ट नहीं हैं तो हम उन्हें ट्रांसफर सर्टिफिकेट दे देंगे। हमने आज भी स्कूल में बच्चों की काउंसलिंग की है, दूसरे स्कूलों में भी करवाएंगे। अगले 3 महीने में स्कूल की स्थिति को ठीक करेंगे।

बच्चों में अभी भी है डर : स्कूल खुलते ही बच्चों का पहुंचना शुरू हो गया है। स्कूल पहुंचे एक छात्र ने कहा कि स्कूल आने में काफी डर लग रहा है लेकिन क्योंकि स्कूल खुला है इसलिए आना जरूरी था। वहीं स्कूल पहुंचे अभिभावक ने कहा कि क्योंकि हमारा बच्चा 11वीं क्लास में पढ़ रहा है इसलिए हम उसकी पढ़ाई का नुकसान नहीं कर सकते हैं। हालांकि, एक बच्ची स्कूल आने के बाद रोने लगी और डर से वह स्कूल में रहने को तैयार नहीं हुई। इसके बाद पेरेंट्स को उसे वापस लेकर जाना पड़ा। इन पेरेंट्स ने बताया कि स्कूल में सुरक्षा को लेकर संतुष्ट होने के बाद ही वे अपने बच्चों को वापस भेजेंगे।

स्कूल से नाम कटवा रहे बच्चे : वहीं कुछ ऐसे अभिभावक भी थे जो अब अपने बच्चों को रेयान में पढ़ाना ही नहीं चाहते हैं। अपने बेटे मानस के साथ स्कूल पहुंचे मदन स्कूल तो पहुंचे लेकिन बेटे का ट्रांसफर सर्टिफिकेट लेने। मदन के मुताबिक प्रद्युम्न की हत्या कर बाद अब वो अपने बेटे को रेयान के अलावा किसी और स्कूल में पढ़ाना चाहते हैं। वहीं उनके बेटे मानस ने भी इस स्कूल में पढ़ने से मना कर दिया।

मिलेगा सबूतों से छेड़छाड़ का मौका : प्रद्युम्न के पिता बोले कि जब तक केस सीबीआई को हैंडओवर नहीं हो जाता है, तब तक प्रशासन स्कूल को कैसे खुलने दे सकता है। उन्होंने कहा कि हम अपनी बेटी को उस स्कूल में नहीं भेजेंगे, किसी भी स्कूल में भेजने से डर लगता है। वरुण बोले कि हमें लगता है कि इस घटना में स्कूल के ही कुछ लोग शामिल हैं, अगर स्कूल दोबारा खुलता है तो लोगों को सबूतों से छेड़छाड़ करने का मौका मिल जाएगा। सुप्रीम कोर्ट ने स्कूलों की सुरक्षा के मामले में केंद्र सरकार और राज्य सरकारों से जवाब मांगा है। कोर्ट ने नोटिस जारी करते हुए पूछा है कि स्कूलों की सुरक्षा में क्या कदम उठाए जा रहे हैं। कोर्ट ने 3 हफ्तों में जवाब देने को कहा है।

सिपाही वर्दी घोटाला

बिहार के पूर्व डीजी रामचंद्र खां दोषी करार, तीन साल की जेल

पटना। अस्सी के दशक में हुए सिपाही वर्दी घोटाले में रांची की सीबीआई कोर्ट ने बिहार के पूर्व डीजी रामचंद्र खां को दोषी करार देते हुए तीन साल की सजा सुनाई है। उनके साथ ही तीन अन्य आरोपियों को भी तीन-तीन साल की सजा सुनाई गई है। इस मामले में कुल दस आरोपी थे जिनमें से छह आरोपियों की मौत हो चुकी है। वर्ष 1983-84 के बीच ऊंचे दाम पर वर्दी खरीदकर 44 लाख के रुपये का घोटाला किया गया था जिसमें रामचंद्र खां के साथ ही दस लोगों को आरोपी बनाया गया था। वर्दी घोटाले का मामला सामने आने के बाद 2014 में इस केस में रामचंद्र खां की गिरफ्तारी हुई थी। इस मामले की सुनवाई रांची स्थित सीबीआई की विशेष अदालत में चल रही है। पूर्व डीजी जमानत पर थे। सुनवाई के क्रम में वे अदालत में पेश नहीं हुए थे। कोर्ट ने इसे गंभीरता से लिया और उनकी जमानत रद्द कर दी थी। साथ ही उनकी गिरफ्तारी के लिए वारंट भी जारी किया गया था। उनके फरार रहने से इस मामले की सुनवाई रुक गई थी।

तय दर से अधिक पर हुई थी वर्दी की खरीद

बिहार में पहले सिपाहियों को वर्दी दी जाती थी। वर्दी की खरीद के लिए सेंट्रल पर्चेज कमेटी थी। 1980 के बाद बीएमपी के कमांडेंट स्तर के अफसरों को यह अधिकार दिया गया था कि अगर वर्दी की कमी हो तो वे अपने स्तर से भी बाजार से खरीद सकते हैं। वर्ष 1983 से 84 के बीच ऐसी खरीदारी की गई जिसमें स्वीकृत दर से अधिक पर वर्दी की खरीद की गई थी। उस दौरान रामचंद्र खां एआईजी बजट के पद पर तैनात थे। उन्होंने इस खरीद को मंजूरी दी थी। मामला सामने आने के बाद सरकार ने 1986 में जांच सीबीआई को सौंप दी। काफी समय तक जांच के बाद रामचंद्र खां सहित 9 लोगों को सीबीआई ने आरोपी बनाया था।

सीबीआई ने 34 लाख की हेराफेरी पकड़ी

सीबीआई ने भादवि की धारा 120 बी, 420 और 468 के तहत केस दर्ज किए थे। जांच में 34 लाख की हेराफेरी पकड़ी थी। सिर्फ दस लाख की ही वर्दी की खरीददारी के प्रमाण मिले। जबकि खरीद 44 लाख की दिखाई गई थी।

पैसे के लिए करते रहे शव का इलाज, मुर्दा शरीर को देते रहे ऑक्सीजन

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में निजी अस्पताल बेलगाम हैं। यहां मरीजों के साथ मौत के बाद भी अमानवीय व्यवहार किया जाता है। आरोप है कि अधेड़ की मौत के बाद भी आइसीयू में शिफ्ट कर दिया गया और वसूली की रीडिंग जारी रही। तीन घंटे बाद बॉडी को शव वाहन में लादकर घर ले जाने का फरमान सुना दिया गया। जिसके बाद परिजनों ने जमकर बवाल काटा। मामले में देर रात सीएमओ ने जांच लिए टीम गठित कर दी है। सीतापुर के चिनहरा निवासी रामचंद्र (53) को 10 सितंबर को पेट दर्द हुआ। पुत्र आशीष और नीरज उन्हें सुबह लेकर जिला अस्पताल पहुंचे। यहां से उन्हें लौटा दिया गया। इसके बाद उन्हें शहर के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया। यहां आंतों में पंचर बता लखनऊ रेफर कर दिया। दलालों ने चुंगल में फंसाकर मरीज को न्यू यूनाइटेड हॉस्पिटल एंड ट्रॉमा सेंटर में भर्ती कराया। आशीष, नीरज के मुताबिक 60 हजार पर इलाज का सौदा तय हुआ। डॉक्टरों ने करीब शाम साढ़े छह बजे ऑपरेशन किया।

दो घंटे का दावा, 24 घंटे में भी नहीं आया होशः बेटों के मुताबिक डॉक्टरों ने दो घंटे बाद होश में आने का दावा किया था। होश आते ही पिता को दिखाने की बात भी कही। मगर 24 घंटे बाद भी होश नहीं आया। उन्हें संक्रमण फैलने का हवाला देकर आइसीयू से बाहर कर दिया गया।

मौत के बाद भी ऑक्सीजन जारीः नीरज और आशीष ने बताया कि रविवार सुबह करीब तीन बजे हालत गंभीर हुई और चार बजे मौत हो गई। स्टाफ ने उन्हें आइसीयू में शिफ्ट कर दिया। किसी को अंदर नहीं जाने दिया गया। मौत के बाद भी ऑक्सीजन सपोर्ट दिया जा रहा था। उधर, स्टाफ बकाया बिल जमा करने का दबाव बनाने लगा। इलाज के नाम पर करीब 70 हजार रुपए जमा कराए गए।

अस्पताल वालों ने खुद बुलाया वाहन, लाद दिया शवः आइसीयू में किसी को जाने की इजाजत नहीं दी गई। करीब सात बजे वाहन बुलाकर शव उसमें रख दिया गया। शव देखकर आशीष व नीरज हंगामा करने लगे। परिजनों ने इलाज में लापरवाही का आरोप लगाया। मौके पर पहुंची पुलिस को परिजनों ने लिखित शिकायत की। इसके बाद शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा। परिजनों ने पेट में छेद व पाइप पड़ी होने पर किडनी चोरी का भी आरोप लगाया। मगर पोस्टमॉर्टम में मरीज की किडनी मौजूद मिली।

क्या कहते हैं जिम्मेदारः अस्पताल के निदेशक प्रदीप त्रिपाठी कहते हैं, मरीज को आंत में दिक्कत के साथ-साथ उसे सांस की बीमारी भी थी। डॉक्टरों ने बचाने का पूरा प्रयास किया।

पिछली सरकारों की नीयत ही ठीक नहीं थीः सीएम योगी

लखनऊ। सीएम योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को श्वेतपत्र जारी किया। इस दौरान उनके साथ दोनों उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और डॉ. दिनेश शर्मा मौजूद थे। श्वेतपत्र जारी करते हुए सीएम योगी ने कहा, 'पिछली सरकार ने विकास पर रोक लगा दी, भ्रष्टाचार और कानून व्यवस्था पर कोई ध्यान नहीं दिया।' उन्होंने कहा कि पिछली सरकार ने संवेदनशीलता दिखाने के बजाए भ्रष्टाचारियों को संरक्षण दिया। उनकी नीयत भी ठीक नहीं थी। उन्होंने कहा, 'यह पिछली सरकार का ही कारनामा है कि प्रदेश में सभी पीएसयू बंद हो चुके हैं। पिछली सरकार जनता के प्रति जवाबदेह नहीं थी।' इसके अलावा उन्होंने कहा कि इस श्वेतपत्र में हमारी सरकार के काम का पूरा ब्यौरा मौजूद है।

ये हैं भारत के सबसे खूबसूरत और मशहूर शहर

भारत एक बहुत ही खूबसूरत देश है। यहां के सभी शहर अपनी अलग-अलग संस्कृति और सभ्यता के लिए पहचाने जाते हैं। वैसे तो भारत में घूमने लायक कई जगहें लेकिन आज हम आपको यहां के सबसे खूबसूरत शहरों के बारे में बताएंगे जिनके बारे में जानकर आपको भी इन शहरों में घूमने का मन करेगा। आइए जानिए ऐसे ही कुछ खूबसूरत शहरों के बारे में

जयपुर

गुलाबी शहर के नाम से मशहूर जयपुर राजस्थान की राजधानी है। इसे भारत के सबसे खूबसूरत शहरों में गिना जाता है। जयपुर में कई इमारतों और घरों का रंग गुलाबी है जिस वजह से इसे गुलाबी शहर कहा जाता है। इस शहर में राजाओं के कई किले और खूबसूरत महल है।

वाराणसी

वारणसी को बनारस और काशी के नाम से भी जाना जाता है। यहां के मंदिरों और एतिहासिक जगहों के

कारण इसे भारत के खूबसूरत शहरों में गिना जाता है।

उदयपुर

उदयपुर शहर अपनी खूबसूरत झीलों और किलों के कारण एक मशहूर पर्यटक स्थल है। इसकी खूबसूरती को निहारने के लिए यहां विदेशों से भी लोग आते हैं।

बेंगलुरु

कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरू भी भारत का सबसे खूबसूरत शहर है। यहां सारा साल एक जैसा मौसम रहता है और चारों तरफ हरियाली है। इसी वजह से इसे गार्डन ऑफ इंडिया भी कहा जाता है।

दिल्ली

भारत की राजधानी दिल्ली विदेशियों के लिए बेहतरीन पर्यटक स्थल है। यहां की सस्ती मार्किट्स, लाल किला, जामा मस्जिद और लोटल टेम्पल लोगों के आकर्षण का केंद्र है।

चेन्नई

चेन्नई की अलग संस्कृति और सभ्यता की वजह से इसे भारत का सबसे खूबसूरत शहर माना जाता है। यहां घूमने लायक चिड़ियाघर, सेंट जॉर्ज फोर्ट और मरीना बीच कई खूबसूरत जगहें हैं।

मुंबई

सपनों की नगरी मुंबई लोगों के लिए सबसे बढ़िया पर्यटक स्थल है। समुद्र किनारे बसा होने की वजह से इसे भारत का सबसे खूबसूरत शहर माना जाता है।

जर्मनी के राजा ने बनवाया था यह खूबसूरत महल, अब है बैस्ट Tourist Place

किसी नॉवेल कहानी को पड़ते-पड़ते व्यक्ति उसी में खो जाता है। अगर कहानी ज्यादा अच्छी हो तो व्यक्ति अपने आप को उस कहानी महसूस करने लगता है। उस खूबसूरत जगह के कल्पना करने लगता है जिसके बारे में कहानी में बात की होती है। फिर हमारे मन में इच्छा होती है उन खूबसूरत जगहों पर एक बार सैर करने की। अगर आप भी कुछ ऐसे ही सोचते है और उस जगह को घूमना चाहते है जो आपको सुकून के साथ-साथ एक अलग ही यादगार पल दे तो हम आपको आज एक ऐसे ही शहर के बारे में बताने जा रहे है, जहां पहुंच कर आप फिल्मी दुनिया जैसा महसूस करेंगे।

नेउशवांस्टीन कैसल

नेउशवांस्टीन कैसल जर्मनी में स्थित है। यह महल अकेला सुनसान जगह पर बसा है। दक्षिणी जर्मनी में यह बना यह महल उन्नीसवीं सदी के महल न्यूसविन्स्टीन, डिजनीलैंड के स्लीपिंग ब्यूटी कैसल के लिए प्रेरणा है। यह महल अपनी अनूठी कारीगीरी से मशहूर है और चारों तरफ से पहाड़ों से घिरे इस महल की शिल्पकला तो दुनियाभर में मशहूर है।

किसने बनाया यह महल?

इस महल को राजा लुडविंग द्वितीय ने बनवाया था जिसकी नींव 5 सितंबर 1869 को रखी गई थी। दरअसल यह राजा काफी शमीर्ले स्वभाव को था। अपने इसी शमीर्ले स्वभाव के कारण वह लोगों से काफी अलग रहना चाहता है। इसी लिए राजा ने अपने विश्राम के इरादे से इस महल का निर्माण करवाया ताकि वह अपनी अंतिम दिनों को एकांत में व्यतित कर सकें।

इस पार्क में उगते हैं हीरे, कई लोग हो चुके हैं मालामाल

लोगों ने खेतों में सब्जियां उगते तो देखी होंगी लेकिन एक ऐसा पार्क भी है जहां हीरे उगते हैं। जी हां, यह बात सच है अमेरिका देश के अरकांसास नेशनल पार्क जोकि 37.5 एकड़ में फैला हुआ है। इस पार्क में हीरे की खादान है। डायमंड जिसे खरीदना किसी साधारण व्यक्ति के बस की बात नहीं है लेकिन इस पार्क की जमीन हीरे उगलती है और यहां कोई भी जाकर हीरा ढूंढ सकता है।

इस पार्क में आकर कई लोग हीरे पाकर मालामाल बन चुके हैं। 1906 में सबसे पहले इस जगह पर जॉन हडलेस्टोन नाम के एक व्यक्ति को 2 चमकदार हीरे मिले थो जिसकी जांच करनावे पर उसे पता लगा कि यह हीरे बहुत ही बेशकीमती हैं।

इसके बाद इस जगह पर पार्क बना दिया गया और इसे सभी पर्यटकों के लिए खोल दिया गया। लोग यहां आकर मिट्टी खोदते हैं और हीरे ढूंढते हैं। अब तक इस जगह पर 75000 से भी ज्यादा हीरे मिल चुके हैं। इस पार्क में घूमने आने वाले एक 14 साल के कालेल लैंडफोर्ड नाम के युवक ने बताया कि उसे 30 मिनट घूमने के बाद यहां से 7.44 कैरेट का बेशकीमती हीरा मिला जिसे पाकर वह बहुत ही खुश हुए।

मुंबई हलचल राशिफल

आचार्य परमानंद शास्त्री

मेष
पार्टी व पिकनिक का आनंद मिलेगा। विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा। स्वास्थ्य कमजोर रहेगा। शत्रु परास्त होंगे।

सिंह
कानूनी अड़चन आ सकती है। यात्रा सफल रहेगी। रोजगार मिलेगा। भेंट व उपहार की प्राप्ति होगी। व्यवसाय ठीक चलेगा।

धनु
व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। धर्म-कर्म में रुचि रहेगी। कानूनी अड़चन दूर होगी। निवेश शुभ रहेगा। अज्ञात भय रहेगा।

वृष
व्यर्थ भागदौड़ होगी। दुःखद समाचार मिल सकता है। विवाद को तूल न दें। घर के बड़ों के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी।

कन्या
यात्रा में सावधानी रखें। विवाद से क्लेश होगा। चिंता तथा तनाव रहेंगे। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। अध्यात्म में रुचि रहेगी।

मकर
चोट, चोरी, विवाद व रोग आदि से हानि संभव है। कुसंगति से बचें। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। व्यवसाय ठीक चलेगा।

मिथुन
लेन-देन में सावधानी रखें। आंखों का ध्यान रखें। धनार्जन होगा। शुभ समाचार मिलेंगे। जल्दबाजी न करें। पार्टी व पिकनिक का आनंद मिलेगा।

तुला
कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। यात्रा, निवेश व नौकरी मनोनुकूल रहेंगे। प्रसन्नता रहेगी।

कुंभ
शत्रु परास्त होंगे। स्वास्थ्य कमजोर रहेगा। कानूनी अड़चन दूर होगी। जीवनसाथी से सहयोग प्राप्त होगा। चोट, चोरी व विवाद से हानि संभव है।

कर्क
भाग्योन्नति के प्रयास सफल रहेंगे। भेंट व उपहार की प्राप्ति होगी। यात्रा मनोरंजक रहेगी। विवाद को बढ़ावा न दें।

वृश्चिक
नई योजना बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। बेचैनी रहेगी। लेन-देन में सावधानी रखें। लाभ होगा। कानूनी अड़चन दूर होगी।

मीन
विवाद न करें। विरोधी सक्रिय रहेंगे। भूमि व भवन संबंधी बाधा दूर होगी। उन्नति होगी। लाभ होगा। पुराना रोग उभर सकता है।

कहीं नूडल्स का प्रसाद तो कोई तैरता है पानी में, ये है भारत के अजीब मंदिर

भारत में घूमने के लिए बहुत से मंदिर और धार्मिक स्थल है। यहां पर मौजूद कई मंदिरों की पुरानी इमारतें दुनियाभर में आश्चर्य का कारण बनी हुई है। आज हम आपको भारत में मौजूद ऐसे ही कुछ मंदिरों के बारे में बताने जा रहें। इन अजीबो-गरीब मंदिरों के बारे में जानकर आप भी हैरान हो जाएंगे और इन मंदिरों को देखने से आप खुद को रोक नहीं पांएगे।

1. गुजरात, स्तंभेश्वर महादेव

गुजरात का स्तंभेश्वर महादेव मंदिर आपकी आंखों को सामने ही गायब होकर वापस आ जाएगा। अरब सागर के सामने बने इस मंदिर को देखकर आप भी हैरान हो जाएंगे।

2. राजस्थान, ओम बन्ना मंदिर

राजस्थान के इस मंदिर में भगवान की मूर्ति को नहीं बल्कि मोटरसाइकिल की पूजा की जाती है। 1991 में इस मोटरसाइकिल से ओम सिंह का एक्सिडेंट हो जाने पर मौत हो गई।

उसके बाद इसे पुलिस स्टेशन ले जाया गया और अगले दिन यह अपने आप उस एक्सिडंट वाली जगह पर पहुंच गई।

3. कोलकाता, चाइनीज काली मंदिर

कोलकाताको इस मंदिर में हल्वा या बर्फी नहीं बल्कि नूडल्स का प्रसाद बांटा जाता है। स्थानीय चानी लोगों के पूजा करन के कारण इस जगह को चाइनाटाउन भी कहा जाता है।

4. राजस्थान, करनी माता का मंदिर

बिकानेर से 30 कि.मी की दूरी पर स्थित इस मंदिर में आपको चूहे ही नजर आएंगे। ऐसा माना जाता है कि माता के सौतेले बेटे की मृत्यु हो जाने पर यमराज को उसे जिंदा करने के लिए कहां। जिंदा होने के बाद उनका बेटा चूहा बन गया।

5. वाराणसी, शिव मंदिर

वाराणसी में मौजूद यह अद्भूत मंदिर पानी के उपर बना हुआ है। आंशिक रूप से नदी में डूबा हुए इस मंदिर को दूर से दखने पर यह तैरता हुआ लगता है। फिलहाल इस मंदिर में आध्यात्मिक कार्य न होने के कारण इसे बंद रखा गया है।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

मिनटों में गायब करें चेहरे की सभी प्रॉबल्म!

समय की कमी के कारण ज्यादातर लोग अपने चेहरे की अच्छे से देखभाल नहीं कर पाते है। नतीजा यह निकलता है चेहरे पर पिंपल्स, सांवलेपन और रूखापन नजर आने लगता है। वैसे तो लोग इनकों मार्कीट से मिलने वाले तरह-तरह के प्रॉडक्ट्स का इस्तेमाल करते है लेकिन इनका ज्यादा कोई फायदा नहीं निकलता है। अगर आप भी अपने चेहरे को दाग-धब्बों से मुक्त करके ग्लो बनाएं रखना चाहती हैं तो इन घरेलू तरीकों का इस्तेमाल करें।

1. दो चम्मच बेसन में 1/2 चम्मच हल्दी मिलाएं। इसमें कुछ बूंदे गुलाब जल और नींबू रस मिलाएं। फिर कच्चा दूध मिलाकर पलता पेस्ट बना लें और चेहरे पर लगाएं। घंटे बाद धो दें।
2. आंखों के नीचे पड़े डार्क सर्कल्स को दूर करने के लिए रोजाना कच्चे आलू का टुकड़ा लेकर हल्के हाथों से मसाज करें। इससे डार्क सर्कल्स हट जाएगे।
3. एक चम्मच शहद लेकर 15-20 मिनट के लिए चेहरे पर लगाएं और बाद में धो लें। अगर आपकी स्किन तैलीय है तो शहद में नींबू का रस मिलाएं।
4. संतरे के छिलकों को सुखाकर पेस्ट बनाकर चेहरे पर लगाएं। यह काफी कारगर नुस्खा है। इससे चेहरे पर मौजूद दाग-धब्बे दूर हो जाएंगे।
5. अगर आप अपने चेहरे की रंग निखारने चाहती है तो मुल्तानी मिट्टी में गुलाब जल मिलकार लगाएं। सुबह खाली पेट एक गिलास गाजर का जूस पीने से रंगत निखरने लगती है।
6. चार-पांच नीम की पत्तियों को मुल्तानी मिट्टी में मिलाकर थोड़ा पानी डालें और पीस लें। फिर 15 मिनट तक चेहरे पर लगाएं। इससे पिंपल्स गायब हो जाएगे।

ENO से पाएं गोरी-निखरी त्वचा, आसान और सस्ता उपचार

गोरी त्वचा पाना हर लड़की का सपना है। कुछ लड़कियों का रंग नैचुरली गोरा होता है लेकिन बदलते लाइफस्टाइल की आदतों और धूप के संपर्क में ज्यादा समय बिताने से चेहरे का रंग काला पड़ जाता है। अपने चेहरे की रंगत को पहले जैसे बरकरार रखने के लिए लड़कियां हजारों ट्रीटमेंट का सहारा लेती है। न जाने कौन-कौन से फेयरनेस क्रीम्स का इस्तेमाल करती है। ऐसे में पैसे तो खर्च होते है साथ ही कोई सफल परिणाम भी नहीं मिलता। आइए आज हम आपको एक साधारण और सस्ता उपाय बताते है जिससे चेहरे की रंगत निखर जाएगी। अधिकतर लोग ईनो का सेवन गैस और एसिडिटी के प्रॉबल्म में करते है लेकिन आपकी जानकारी के लिए बता दे कि ईनो को आप चेहरे की रंगत निखारने में भी उपयोग करते है। आइए जानते है कैसे।

सामग्री
- आधा नींबू का रस
- 1 पैकेट ईनो

पेस्ट बनाने और लगाने का तरीका
एक कटोरी में आधे नींबू का रस निकाल लें। फिर कटोरी में ईनो का आधा चम्मच मिलाएं। इस पेस्ट को चेहरे पर सिर्फ 1 मिनट लगाकर रगड़ें। फिर इसको थोड़ी देर चेहरे पर लगा रहने दें। उसके बाद चेहरे को धो दें।

ध्यान देने वाली बात
इस पेस्ट को आंखों के आस-पास लगाने से बचें।

क्या है फायदा?
इसे पेस्ट को चेहरे पर लगाने से डेड स्किन निकल जाएगी और चेहरे की रंगत में निखार आएगा।

आखिर क्यों हो जाते हैं शरीर पर सफेद दाग? जानिए इसके कारण

कई लोगों के शरीर पर सफेद दाग होते हैं जिसे फुलवहरी भी कहते हैं। यह दाग शरीर के किसी भी हिस्से पर हो सकते हैं। कुछ लोग इसे छुत की बीमारी समझते हैं लेकिन यह बिल्कुल गलत है। सफेद दाग किसी को भी हो सकते हैं और इसके कोई खास कारण भी नहीं होते। ऐसे में आज हम आपको शरीर पर होने वाले सफेद दागों के होने का कारण बताएंगे।

1. आनुवांशिक
सफेद दाग का सबसे बड़ा कारण आनुवांशिकता है। घर के किसी सदस्य के शरीर पर अगर सफेद दाग हैं तो उसकी अगली पीढ़ी को भी यह प्रॉब्लम हो सकती है।

2. सूरज की किरणें
कुछ लोगों की स्किन बहुत ही सेंसेटिव होती है। ऐसे में धूप में ज्यादा जाने की वजह से सूरज की अल्ट्रा वॉयलेट किरणें त्वचा पर पड़ती हैं और सफेद दाग हो जाते हैं।

3. पेट में कीड़े

जिन लोगों का पेट अक्सर खराब रहता हो या उनके पेट में लंबे समय से कीड़े हो तो भी स्किन की यह प्रॉब्लम हो सकती है।

4. लिवर की समस्या
लिवर के कमजोर होने या सूजन होने पर भी शरीर पर सफेद दाग हो जाते हैं।

5. डायबिटीज
जिन लोगों को लंबे समय से डायबिटीज हो और दवा खाने के बावजूद भी शुगर कंट्रोल में न रहे तो उनके शरीर पर सफेद दाग हो जाते हैं।

6. थायराइड
सफेद दाग होने का एक और कारण थायराइड की समस्या हो सकती है।

गर्दन की चर्बी से छुटकारा दिलाएंगी ये असरदार एक्सरसाइज!

मोटापे की वजह से पूरे शरीर में चर्बी में जमा होती है जो चेहरे पर भी अपना प्रभाव दिखाने लगती है। चर्बी की वजह से डबल चिन, फेशियल फेट और मोटी गर्दन जैसी प्रॉबल्म आने लगती है। गर्दन पर मौजूद चर्बी को कैसे कम किया जाए । ज्यादातर लोग इसी चिंता में लगे रहते है। इससे गर्दन भी बेकार सी लगने लगती है। इससे छुटकारा पाने के लिए लोग जिम में खूब पसीना तो बहाते है लेकिन गर्दन को ज्यादा असर दिखाई नहीं देता है। अगर आप भी अपनी मोटी गर्दन को सुराहीदार बनाना चाहते है तो हम आपको कुछ एक्सरसाइज के बारे में बताएगे, जिनको कुछ महीनों तक लगातार करने से काफी फायदा नजर आएगा।

नेक स्ट्रेच एक्सरसाइज
जमीन पर मैट बिछाकर बिना तकिए के पीठ के बल लेट जाए। अब अपनी गर्दन को जितना ऊपर उठा सकते है, उतना उठा लें। सांस को भीतर खीचते गर्दन को धीरे-धीरे ऊपर उठाएं। गर्दन को नीचे लाते हुए सांस को छोड़ें। इस एक्सरसाइज को सुबह-शाम 10-15 बार करें।

चेयर एक्सरसाइज
कुर्सी पर सीधे बैठकर अपने दाएं हाथ को दाएं कंधे पर रखें और बाएं हाथ को सिर पर रख लें। अब गर्दन को धीरे-धीरे नीचे झुकाएं। कुछ सेकंड रुकने के बाद नीचे करें। अब गर्दन को एक बार घड़ी की तरह गोल घुमाएं। इस एक्सरसाइज से गर्दन पतली और मजबूत होगी।

ब्रह्म मुद्रा एक्सरसाइज
कुर्सी पर बैठे बैठे अपनी जंघों पर दोनों हाथों को रखें और फिर अपनी गर्दन को पीछे की ओर ले जाएं और छाती में सांस भरते हुए उसको फुलाएं। इसके बाद गर्दन को दाईं तरफ घुमाएं, और फिर बाईं और घुमाएं। फिर गद्रन को आगे की तरफ इतना छुकाएं कि ठुड्डी छाती को छू लें। 10 सेकंड तक नीचे झुकाने के बाद गर्दन का दाएं से बाएं तरफ गोल-गोल घुमाएं।

दैनिक
मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

स्पोर्ट्स हलचल

मुंबई, मंगलवार
19 सितंबर, 2017

जीत के लिए हमें और बेहतर रणनीति बनानी होगी:स्टीव स्मिथ

नई दिल्ली। भारत के खिलाफ पहला एकदिवसीय मैच हारने के बाद ऑस्ट्रेलिया के कप्तान स्टीव स्मिथ ने कहा है कि उनकी टीम अपने प्लान के मुताबिक खेल नहीं दिखा पाई। इसलिए उसे हार का सामना करना पड़ा। उन्होंने आगे के मैचों में वापसी की बात कही। मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में स्मिथ ने कहा कि 'अगर हम मैच जीतते तो अच्छा होता, लेकिन ये पांच मैचों की श्रृंखला है। श्रृंखला के 4 मैच अभी बाकी हैं। सीरीज जीतने के लिए हमें 3 मैच जीतने होंगे। हमें अगले कुछ दिनों में बेहतरीन खेल दिखाना होगा। जिस तरह से हमने सोचा था वैसा हुआ नहीं। उम्मीद है कि कोलकाता में हम वापसी करेंगे'। स्मिथ ने आगे कहा कि ' मैच के बीच में बारिश आ गई और नई गेंद के साथ 160 रनों के लक्ष्य का पीछा करना कतई आसान नहीं होता है। हमें अपने प्लान को अच्छी तरह से अमल में लाना होगा। स्मिथ ने छठे विकेट के लिए 118 रनों की

साझेदारी करने वाले महेंद्र सिंह धोनी और हार्दिक पांड्या की भी जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा कि दोनों खिलाड़ियों ने 87 रन से टीम का स्कोर 200 के पार पहुंचाया। आखिर में यही साझेदारी निर्णायक साबित हुई। हमने नई गेंद के साथ काफी अच्छी शुरूआत की लेकिन धोनी और हार्दिक पांड्या ने काफी बेहतरीन खेल दिखाया। ऑस्ट्रेलियाई कप्तान ने अपनी टीम की मैच के दौरान की गई गलतियों को भी बताया जिसमें उनके द्वारा हार्दिक पांड्या का कैच छोड़ना भी शामिल था। स्मिथ ने कहा कि आप हमेशा कैच पकड़ना चाहते हैं। मैंने एक कैच छोड़ा और एक कैच थोड़ा सा आगे गिर गया। ऐसा नहीं है कि अच्छी शुरूआत का फायदा नहीं उठा सके। स्मिथ ने कहा कि पैट कमिंस को अंतिम के ओवरों में गेंदबाजी कराने की योजना थी, लेकिन धोनी की बेहतरीन बल्लेबाजी की वजह से ये रणनीति बदलनी पड़ी।

कोहली ने पहली जीत पर गेंदबाजों को सराहा

चेन्नई। भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान विराट कोहली ने आस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले वनडे मैच में मिली जीत के लिए टीम के गेंदबाजों के प्रदर्शन को सराहा। कोहली ने इस जीत में अपने बल्ले और गेंदबाजी से अहम भूमिका निभाने वाले हरफनमौला खिलाड़ी हार्दिक पांड्या की प्रशंसा की। चेन्नई में आस्ट्रेलिया के खिलाफ खेले गए पहले वनडे मैच में हार्दिक ने जहां 66 गेंदों में 83 रन बनाकर भारतीय टीम की साख बचाई, वहीं उन्होंने दो विकेट भी लिए।

कप्तान कोहली ने कहा, हार्दिक खुद पर विश्वास रखते हैं और अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में अच्छे प्रदर्शन के लिए खुद पर विश्वास होना जरूरी है। उनकी पारी ने इस खेल में बदलाव किया और अपनी गेंदबाजी से भी उन्होंने टीम की किस्मत बदलने में अहम भूमिका निभाई। कोहली ने पांड्या के साथ-साथ टीम के स्पिन गेंदबाजों चाइनामैन कुलदीप यादव और युजवेंद्र चहल की भी प्रशंसा की। चेन्नई वनडे मैच में जहां कुलदीप ने दो विकेट लिए थे, वहीं चहल ने सबसे अधिक तीन विकेट चटकाए।

कप्तान ने कहा, दोनों गेंदबाजों ने शानदार प्रदर्शन किया। मैं जब से चहल को देख रहा हूं, वह हमेशा पूरी बहादुरी के साथ मैदान पर उतरते हैं। इन दोनों को सलाम। कोहली ने इस मैच में एक-एक विकेट लेने वाले भुवनेश्वर कुमार और जसप्रीत बुमराह की भी सराहना की। उन्होंने कहा कि वह भारत को मिली जीत का श्रेय युवा गेंदबाजों को देना चाहेंगे। कप्तान ने कहा कि बारिश के बाद खेल की समयसीमा और ओवर कम हो गए थे, लेकिन इसके बावजूद टीम के इन चार गेंदबाजों ने शानदार प्रदर्शन किया। इससे बेहतर गेंदबाजों की टीम भारत के पास हो ही नहीं सकती। भारतीय टीम की अगली भिड़ंत आस्ट्रेलिया से गुरुवार को कोलकाता के ईडन गार्डन्स में होगी।

माही से मिली सीख से दहाड़ा बल्ला: पांड्या

चेन्नई। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पांच मैचों की वनडे सीरीज के पहले मुकाबले में टीम इंडिया को 26 रन से जीत मिली। इस जीत के हीरो रहे ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या। पांड्या ने उस वक्त टीम की पारी संभाला, जब 87 रन पर टीम के पांच बल्लेबाज पवेलियन लौट चुके थे और इसमें उन्हें साथ मिला सबसे बड़े मैच फिनिशर धोनी का। खुद पांड्या ने भी अपनी इस पारी का श्रेय धोनी को दिया। मैच के बाद पांड्या ने खुलासा किया कि जब वो धोनी के साथ क्रीज पर डटे हुए थे, तो दोनों के बीच लगातार बातचीत हो रही थी। इसकी बदौलत ही दोनों के बीच 118 रनों की ऐसी साझेदारी हुई, जिसने न सिर्फ टीम को मुश्किल से बाहर निकाला बल्कि स्कोरबोर्ड पर 281 रन टांगने में भी मदद की। धोनी का साथ मिलने से पांड्या की बल्लेबाजी भी निखरी। तभी तो 23 साल के इस ऑलराउंडर ने महज 66 गेंदों पर ताबड़तोड़ 83 रनों की पारी खेली और मैच का पासा टीम इंडिया की तरफ पलट गया।

बीसीसीआइ और स्टार इंडिया करार से महाराष्ट्र सरकार को हुआ फायदा

मुंबई। महाराष्ट्र सरकार को बीसीसीआइ और स्टार इंडिया के बीच हुए पांच साल के मीडिया अधिकार करार से स्टांप ड्यूटी के तौर पर लगभग 82 करोड़ रुपये का फायदा हुआ है। महाराष्ट्र के स्टांप एवं पंजीकरण विभाग के अधिकारी ने इसकी पुष्टि की। स्टार इंडिया ने हाल ही में पांच साल के लिए इंडियन प्रीमियर लीग के टीवी प्रसारण और डिजिटल अधिकार 16347 करोड़ रुपये में खरीदे थे। महाराष्ट्र के स्टांप एवं पंजीकरण विभाग के एक अधिकारी ने कहा कि प्रिंट और टीवी मीडिया से करार के बारे में पता चलने के बाद हमने यह मसला बीसीसीआइ के सामने उठाया, जिसके साथ स्टार इंडिया ने करार किया है। प्रशासकों की समिति (सीओए) के प्रमुख विनोद राय के सकारात्मक रवैये से हमें यह धनराशि जल्द मिली।

हमने बीसीसीआइ को बताया कि वैश्विक मीडिया अधिकार महाराष्ट्र स्टांप अधिनियम के अंतर्गत आता है। अधिकारी ने कहा कि बीसीसीआइ और स्टार इंडिया के बीच जो करार हुआ है उसके कुल मूल्य पर 0.5 प्रतिशत ड्यूटी लगती है। स्टार इंडिया ने इसके अंतर्गत ही पिछले सप्ताह 817375500 रुपये स्टांप ड्यूटी के रूप में भुगतान किए।

शापोवालोव ने कनाडा को डेविस कप विश्व ग्रुप में पहुंचाया, भारत की उम्मीद खत्म

एडमंटन। डेनिस शापोवालोव ने रविवार को पहले उलट एकल मैच में भारत के रामकुमार रामनाथन को हराकर कनाडा को डेविस कप विश्व

ग्रुप में पहुंचा दिया। इसके बाद भारत के युकी भांबरी ने औपचारिक मैच में ब्रेडेन शनूर को हराकर भारत को सांत्वना जीत दिलाई। कनाडा ने यह मुकाबला 4-1 से जीतते हुए वर्ल्ड ग्रुप में जगह बनाई। शनिवार को डबल्स मैच में रोहन बोपन्ना और पूरव राजा की हार के बाद पहले उलट एकल मैच में रामनाथन को हर हाल में जीत जरूरी थी, लेकिन दुनिया के 51वें क्रम के शापोवालोव ने उन्हें 6-3, 7-6 (1), 6-3 से हराकर कनाडा को 3-1 की अपराजेय बढ़त दिला दी।

हैमिल्टन ने जीती सिंगापुर ग्रांप्रि, चौथी बार वर्ल्ड चैंपियन बनना लगभग तय

सिंगापुर। मर्सिडीज के ड्राइवर लुईस हैमिल्टन ने फॉमूर्ला वन रेस सिंगापुर ग्रांप्रि जीती, जबकि उनके प्रतिद्वंद्वी फेरारी के सेबेस्टियन वेटल अपनी कार के दुर्घटनाग्रस्त होने के कारण शुरूआत में ही रेस से बाहर हो गए। हैमिल्टन ने यह रेस अपने नाम की। रेड बुल के डेनियल रिकार्डो दूसरे, जबकि मर्सिडीज के वाल्टेरी बोटास तीसरे स्थान पर रहे। हैमिल्टन ने तीसरी बार सिंगापुर ग्रांप्रि अपने नाम की है। हैमिल्टन ने इसी के साथ चैंपियनशिप की रेस में दूसरे स्थान

पर चल रहे वेटल पर 28 अंकों की लगभग अपराजेय बढ़त बना ली है। अब उनका चौथी बार विश्व चैंपियन बनना तय है, लेकिन देखना यह होगा कि वे कितनी जल्दी खिताब अपने नाम करते हैं। इस सत्र की छह रेस अभी बची हुई है। उन्होंने कहा, 'भगवान ने मुझे आज निश्चित रूप से आशीर्वाद दिया।' फोर्स इंडिया के सर्जियो पेरेज पांचवें स्थान पर रहे और टीम के साथ ड्राइवर एस्टेबन ओकोन को दसवां स्थान हासिल हुआ। तीन कारों के दुर्घटना के बाद 20 में से सिर्फ 12 कारें ही रेस पूरी कर पाई।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

प्रियंका चोपड़ा ने व्हाइट गाउन में बिखेरा जलवा

एमी अवाड्र्स 2017 में प्रियंका चोपड़ा ने शिरकत की। जहां प्रियंका व्हाइट गाउन में अवार्ड देने पहुंची थी। इसमें वह बेहद खूबसूरत लग रही थी। प्रियंका ने लुक्स और मेकअप की बात करें तो जबरदस्त था। इस अवॉर्ड शो में प्रियंका डिजाइनर बलमेन का सफेद गाउन पहनकर पहुंची और रेड कार्पेट पर कुछ इस अंदाज में नजर आईं। यह अवॉर्ड्स भारतीय समयानुसार सोमवार सुबह हुए। प्रियंका पंखों वाले सफेद गाउन में बेहद दिलकश लग रही थीं। प्रियंका की लुक की बात करें तो उन्होंने पोनीटेल की हुई थी और बेरी रेड रंग की लिपिस्टक में काफी हॉट लग रही थीं। उनके गाउन में लगे क्रिस्टल उनकी खूबसूरती में चार चांद लगा रहे थे। प्रियंका दूसरी बार एमी अवॉर्ड्स में शिरकत की है। प्रियंका दूसरी बार एमी अवॉर्ड्स में शिरकत की है।

कास्टिंग काउच के बारे में कृति सैनन का ये है कहना...

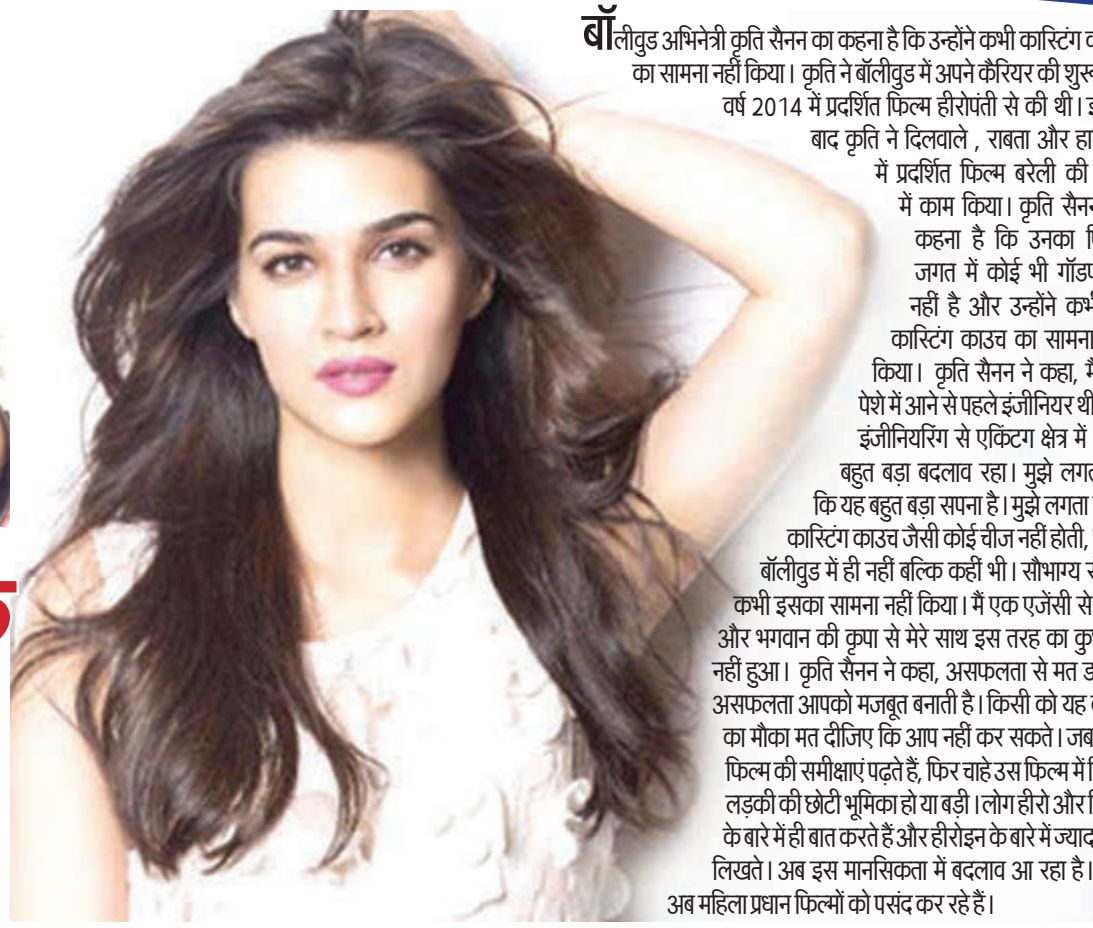

बॉलीवुड अभिनेत्री कृति सैनन का कहना है कि उन्होंने कभी कास्टिंग काउच का सामना नहीं किया। कृति ने बॉलीवुड में अपने कैरियर की शुरूआत वर्ष 2014 में प्रदर्शित फिल्म हीरोपंती से की थी। इसके बाद कृति ने दिलवाले , राबता और हाल ही में प्रदर्शित फिल्म बरेली की बर्फी में काम किया। कृति सैनन का कहना है कि उनका फिल्म जगत में कोई भी गॉडफादर नहीं है और उन्होंने कभी भी कास्टिंग काउच का सामना नहीं किया। कृति सैनन ने कहा, मैं इस पेशे में आने से पहले इंजीनियर थी और इंजीनियरिंग से एक्टिंग क्षेत्र में आना बहुत बड़ा बदलाव रहा। मुझे लगता था कि यह बहुत बड़ा सपना है। मुझे लगता है कि कास्टिंग काउच जैसी कोई चीज नहीं होती, सिर्फ बॉलीवुड में ही नहीं बल्कि कहीं भी। सौभाग्य से मैंने कभी इसका सामना नहीं किया। मैं एक एजेंसी से जुड़ी और भगवान की कृपा से मेरे साथ इस तरह का कुछ भी नहीं हुआ। कृति सैनन ने कहा, असफलता से मत डरिए। असफलता आपको मजबूत बनाती है। किसी को यह कहने का मौका मत दीजिए कि आप नहीं कर सकते। जब आप फिल्म की समीक्षाएं पढ़ते हैं, फिर चाहे उस फिल्म में किसी लड़की की छोटी भूमिका हो या बड़ी। लोग हीरो और विलेन के बारे में ही बात करते हैं और हीरोइन के बारे में ज्यादा नहीं लिखते। अब इस मानसिकता में बदलाव आ रहा है। लोग अब महिला प्रधान फिल्मों को पसंद कर रहे हैं।

पहली बार पापा अनिल कपूर के साथ स्क्रीन शेयर करेंगे उनके ये बेटे

बॉलीवुड एक्टर अनिल कपूर साल 2017 में पहली बार अपने भतीजे यानि अर्जुन कपूर के साथ स्क्रीन शेयर कर चुके हैं। इन दोनों के किरदार और जोड़ी को लोगों ने काफी प्यार दिया। इनकी फिल्म मुबारकां बॉक्स ऑफिस पर सुपरहिट रही। इसके साथ ही अब इसकी सीक्वल की भी मांग होनी शुरू हो गई है। हाल ही में कपूर खानदान से एक और खुशखबरी आ रही है। बताया जा रहा है कि हर्षवर्धन कपूर बहुत ही जल्द भारतीय शूटर अभिनव बिंद्रा की बायोपिक करते नजर आयेंगे। इस फिल्म में उनके पापा अनिल कपूर भी दिखेंगे। खुद हर्षवर्धन ने इस बात को कन्फर्म किया है। उन्होंने अपने ट्विटर अकाउंट पर एक ट्वीट करके इस बात की जानकारी दी है। खबरों की मानें तो ऐसा लग रहा है कि अनिल कपूर अपने रियल लाइफ सन के रील लाइफ फादर बनेंगे। अभिनव बिंद्रा की बायोपिक में अनिल कपूर और हर्षवर्धन कपूर बाप-बेटे के किरदार में दिखेंगे। वैसे यह लोगों के लिए काफी अच्छा एक्सपीरियंस होगा क्योंकि ऐसे बहुत कम मौके आते हैं जब रियल लाइफ बाप-बेटे को स्क्रीन पर भी वही रिश्ता निभाने को मिले। बता दें कि अगर हम हर्षवर्धन के फिल्मी करियर की बात की जाए तो उन्होंने मिर्ज्या से बॉलीवुड में डेब्यू किया था। यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर फ्लॉप रही थी लेकिन हर्ष की अदाकारी को खूब सराहा गया था। इसके बाद उन्होंने डायरैक्टर विक्रमादित्य मोटवानी की नई फिल्म भावेश जोशी को शूट किया है। यह फिल्म अगले साल रिलीज होगी।